दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 209
मुरादाबाद
(Friday)
21 November 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

बिहार की नई सरकार में भाजपा के 14 मंत्रीः

जदयू, चिराग, मांझी को मिला मंत्रिमंडल

पटना के गांधी मैदान में एनडीए सरकार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'गमछा' लहराना सबसे बड़ा आकर्षण बन गया

बिहार में नीतीश कुमार ने 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है। उनके साथ 26 अन्य मंत्रियों ने भी शपथ ली। इनमें भाजपा के कोटे से 14 मंत्री, जदयू के कोटे से 9 मंत्रियों को जगह मिली है। वहीं, चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को दो मंत्री पद मिले हैं। जीतनराम मांझी की हम पार्टी को एक मंत्री पद और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) को भी एक मंत्री पद मिला है। जनादेश कब आया? बिहार विधानसभा चुनाव की मतगणना 14 नवंबर को हुई थी। इसमें एनडीए को 202 सीटें मिलीं। भाजपा को सबसे ज्यादा 89, जदयू को 85, चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) को 19, जीतनराम मांझी की हम को 5 और रालोमो को 4 सीटें मिलीं।

इसके बाद यह तय हुआ कि पहले से तय फॉर्मूला के तहत नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बनेंगे। साथ ही सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा उपमुख्यमंत्री बने रहेंगे। नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। साथ ही सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने शपथ ली। इन तीनों समेत कुल 27 नेताओं ने मंत्री पद की शपथ ली। पटना के गांधी मैदान में एनडीए सरकार के भव्य शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'गमछा' लहराना सबसे बड़ा आकर्षण बन गया, जिस पर लाखों की भीड़ उत्साह से गूंज उठी। समारोह की शुरुआत मिथिला के लोकनृत्य सामा-चकेवा से हुई, जबकि विभिन्न महिला कलाकारों ने राज्यभर के लोकगीत प्रस्तुत किए। पटना के गांधी मैदान में नए एनडीए सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भव्यता देखने को मिली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई राजनीतिक दिग्गज मौजूद थे। समारोह में पीएम द्वारा 'गमछा' लहराने का क्षण सबसे बड़ा आकर्षण बन गया, जिससे करीब तीन लाख लोगों की भीड़ का एक हिस्सा जोरदार उत्साह में झूम उठा।कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीत और लोकनृत्य प्रस्तुत कर मंच पर मौजूद सितारों की चमक में और इजाफा किया। मंच पर प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जे. पी. नड्डा और उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा तथा दिल्ली के मुख्यमंत्री मौजूद थे। जैसे ही जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में दसवीं बार शपथ ली, प्रधानमंत्री ने भीड़ की ओर 'गमछा' लहराया, जिसके बाद तालियों और जयकारों की गूंज तेज हो गई।शपथ ग्रहण समारोह की शुरुआत राष्ट्रगान से हुई। इससे पहले मिथिला क्षेत्र के लोकप्रिय लोकनृत्य 'सामा-चकेवा' की प्रस्तुति महिलाओं के एक दल ने दी, जो भाई-बहन के प्रेम का उत्सव माना जाता है। इसके जरिए आगंतुकों का स्वागत किया गया। भाजपा और जदयू जो एनडीए की दो प्रमुख सहयोगी पार्टियां हैं ने क्रमशः 89 और 85 सीटें जीतीं। दोनों ने 101-101 सीटों पर चुनाव लड़ा था।पारंपरिक गीत और नृत्य पेश किए बाद में विभिन्न महिला कलाकारों के समूहों ने राज्य के अलग-अलग क्षेत्रों के पारंपरिक गीत और नृत्य पेश किए। मुख्य मंच के अलावा दूसरे मंच पर भोजपुरी अभिनेता एवं गायक से भाजपा सांसद बने मनोज तिवारी, तथा भोजपुरी सुपरस्टार पवन सिंह ने अपने लोकप्रिय गीतों से भीड़ का मनोरंजन किया। गांधी मैदान में आए विशिष्ट अतिथियों के लिए विशेष चाय और बिहार के पारंपरिक व्यंजन लिट्टी-चोखा, मठरी, मखाना-खीर की व्यवस्था की गई थी। वीआईपी मेहमानों के लिए विशेष बैठक व्यवस्था भी की गई थी। पोस्टरों से पटा पटना- पटना शहर को पोस्टरों और बैनरों से सजाया गया था। एनडीए के सहयोगी दलों की ओर से आए नेताओं के स्वागत के लिए बड़े पैमाने पर पोस्टर लगाए गए थे। मोदी, शाह, नीतीश कुमार और अन्य एनडीए नेताओं के पोस्टर शहर के प्रमुख स्थानों पर लगाए गए थे। पटना की प्रसिद्ध बेली रोड के दोनों ओर शीर्ष एनडीए नेताओं के विशाल कटआउट्स लगाए गए थे।

संक्षिप्त समाचार

नत्थूपुर सीट से पहली बार जीते...उपचुनाव में घोसी से सबसे बड़ी जीत; सुधाकर सिंह का राजनीतिक सफर

उत्तर प्रदेश के मऊ जिले की चर्चित घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार की सुबह निधन हो गया है। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में गुरुवार की सुबह अंतिम सांस लीयूपी के मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से सपा विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। 67 वर्षीय सुधाकर सिंह को दो दिन पहले सीने में दर्द होने पर अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान सिंह ने गुरुवार सुबह अंतिम सांस ली। सपा के वरिष्ठ नेता सुधार सिंह ने 2023 के उपचुनाव में भाजपा के मंत्री दारा सिंह चौहान को 42,000 से अधिक वोटों से हराकर इतिहास रचा था। सुधाकर सिंह तीन दशकों से अधिक समय तक सपा के जमीनी कार्यकर्ता रहे।सुधाकर सिंह किसान और दलित समुदाय में बेहद लोकप्रिय नेता थे। सुधाकर सिंह के निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके बेटे डॉक्टर सुजीत सिंह ने पिता के निधन की पुष्टि की। शोक व्यक्त किया। उनके बेटे सुजीत सिंह ने बताया कि विधायक सुधाकर सिंह को हार्ट की समस्या थी। 2022 में पेसमेकर लगा था। उन्होंने बताया कि मुख्तार अंसारी के बेटे और सदर विधायक अब्बास अंसारी के छोटे भाई उमर अंसारी के रिसेप्सन में शामिल होने के लिए यह दिल्ली गए थे।

19वें राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन 23 नवंबर से, 40 हजार लोग होंगे शामिल, सीएम योगी ने की तैयारियों की समीक्षा

राजधानी लखनऊ में 23 नवंबर से चलने वाले सात दिवसीय राष्ट्रीय जंबूरी में करीब 40 हजार लोग शामिल होंगे। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खुद आयोजनस्थल का निरीक्षण किया।

राजधानी लखनऊ में 23 से 29 नवंबर के बीच 19वें राष्ट्रीय जंबूरी का आयोजन किया जा रहा है। डिफेंस एक्सपो में चलने वाले स्काउट गाइड के इस सात दिवसीय आयोजन में देश भर से 40 हजार से ज्यादा मेहमान लखनऊ आने वाले हैं। बृहस्पतिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी टीम के साथ तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने खुद निरीक्षण कर तैयारियों को परखा। आयोजन में 30 हजार स्काउट गाइड कैडेट तो करीब 10 से 15 हजार अन्य लोग होंगे।मेहमानों के स्वागत व ठहरने के लिए वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में बड़े स्तर पर टेंट सिटी बनाई जा रही है। देश के विभिन्न राज्यों से 30 हजार से ज्यादा प्रतिभागी, 2000 विदेशी प्रतिभागी, पांच हजार अधिकारी व अन्य स्टाफ भी शामिल हो रहे हैं।कुल संख्या 40 हजार पार होने की उम्मीद है। इनके लिए 4500 से ज्यादा टेंट, 1600 शौचालय, 1600 स्नानागर, 35 हजार लोगों की क्षमता का एरिना स्टेडियम, 100 बिस्तर का अस्पताल, 15 डिस्पेंसरी बनाई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, टेंट सिटी व अन्य निर्माण के लिए 45 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

इसके अलावा आसपास के होटल व बाजारों में भी रौनक छाने लगी है। नागरिक सुविधाओं के अलावा भव्य जंबूरी मेला भी लगेगा- डिफेंस एक्सपो मैदान में नागरिक सुविधाओं के अलावा भव्य जंबूरी मेला भी लगेगा। इसके लिए 100 दुकानों का जंबूरी बाजार बन रहा है। इस बाजार के संचालक पवन गुप्ता ने बताया कि 100 में 85 स्टॉलनुमा दुकानों की बुकिंग हो गई है। शेष 15 की बुकिंग एक-दो दिन में हो जाएगी। फूड कोर्ट में 7000 लोगों के बैठने की व्यवस्था रहेगी। स्टॉल से ही 500 परिवारों को प्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिल रहा है।

सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर अखिलेश यादव ने जताया शोक, परिजनों से की मुलाकात

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी विधानसभा से विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक जताया और उनके परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढ़ाढस बंधाया।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घोसी विधानसभा से सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर शोक जताया है और उनकी आत्मा की शांति की कामना की है।अखिलेश एक्स पर कहा कि घोसी विधानसभा से समाजवादी पार्टी के विधायक श्री सुधाकर सिंह जी का निधन, अत्यंत दुःखद ! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों को यह असीम दुःख सहने का संबल प्राप्त हो। भावभीनी श्रद्धांजलि।बता दें कि मऊ जिले की चर्चित घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी (सपा) के विधायक सुधाकर सिंह का लखनऊ के मेदांता अस्पताल में निधन हो गया। उनके निधन से राजनीतिक गलियारों में शोक की लहर दौड़ गई है। सुधाकर सिंह का 67 साल की उम्र में निधन हुआ है। शुरुआती जानकारी मिली है कि 17 नवंबर को दिल्ली में मुख्तार अंसारी के छोटे बेटे उमर अंसारी के रिसेप्शन से लौटने के बाद उनकी तबीयत खराब हो गई थी। इसके बाद उन्हें मंगलवार को इलाज के लिए लखनऊ ले जाया गया था। लखनऊ के मेदांता अस्पताल में गुरुवार सुबह उन्होंने अस्पताल में अंतिम सांस ली।

लाल किले के पास धमाका मामले में चार और आरोपी गिरफ्तार, NIA टीम ने जम्मू-कश्मीर से हिरासत में लिया

एनआईए ने बताया कि शुरुआती जांच में यह बात सामने आई थी कि आतंकी मॉड्यूल में शामिल ये आरोपी हमले की योजना, तकनीकी समर्थन, लॉजिस्टिक सुविधा और फंडिंग जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं में संलिप्त थे। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किले के बाहर हुए विस्फोट में शामिल चार और मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इसके बाद इस मामले में गिरफ्तारियों की कुल संख्या छह हो गई है। पटियाला हाउस कोर्ट के जिला सत्र न्यायाधीश के पेशी आदेश पर एनआईए ने चारों आरोपियों को जम्मू और कश्मीर से हिरासत में लिया है।एनआईए ने आरोपियों की पहचान पुलवामा (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. मुजम्मिल शकील गनई, अनंतनाग (जम्मू-कश्मीर) निवासी डॉ. अदील अहमद राथर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) निवासी डॉ. शाहीन सईद और शोपियां (जम्मू-कश्मीर) निवासी मुफ्ती इरफान अहमद वागे के रूप में की है। एनआईए की जांच के अनुसार, इन सभी ने इस आतंकवादी हमले में अहम भूमिका निभाई थी, जिसमें कई निर्दोष लोग मारे गए थे और कई अन्य घायल हुए थे।मामले की जांच में तेजी लाते हुए, एनआईए ने पहले ही दो अन्य आरोपियों आमिर राशिद अली, जिसके नाम पर विस्फोट में इस्तेमाल की गई कार पंजीकृत थी और जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश, जिसने इस घातक हमले में शामिल आतंकवादी को तकनीकी सहायता प्रदान की थी, को गिरफ्तार कर लिया था। आरसी-21/2025/एनआईए/डीएलआई मामले में पूरी आतंकी साजिश का पर्दाफाश करने के एनआईए के प्रयासों के तहत उनसे पूछताछ जारी है। लाल किले के पास हुए धमाके में 15 निर्दोष लोगों की मौत हुई थी और कई घायल हुए थे। एनआईए ने कहा है कि जांच तेजी से आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में और भी खुलासे हो सकते हैं। एजेंसी ने इस मॉड्यूल के अन्य सदस्यों और इसके सपोर्ट नेटवर्क की पहचान के लिए तलाशी अभियान और पूछताछ की प्रक्रिया भी तेज कर दी है।

संपादकीय Editorial

Trump detonated a nuclear bomb!

Will US President Trump, who aspires to the Nobel Peace Prize and resorts to numerous lies and deceptions, publicly inform the world that the United States has tested another nuclear bomb? The nuclear test was conducted between August 19-21, while President Trump and Russian President Putin met and had a lengthy conversation in Alaska on August 15th. But why was the news revealed on November 14th that the United States had tested a nuclear bomb at the Tonopah Test Range in Nevada? Why was the test kept secret for three months? The bomb tested is named the B61-12 gravity nuclear bomb. It is said to be 24 percent more powerful than the atomic bomb dropped on Hiroshima, Japan, in 1945. The Hiroshima bombing killed 140,000 people, and approximately 38,000 children also died prematurely. A very long time has passed since 1945. Has the US nuclear test once again sparked a nuclear arms race and brought the world to the brink of nuclear war? Recently, when Russia tested destructive missiles like the Burevsnik and Poseidon, President Trump strongly criticized them and repeatedly threatened to conduct a nuclear test. President Trump even stated that countries like Russia, China, North Korea, and Pakistan are constantly conducting nuclear tests, and these tests are conducted underground. If the ground shakes, it is considered an earthquake. However, the truth has now come to light that the US had already tested a nuclear bomb in August, and videos of the test were sent to the Pentagon. This test was conducted only after President Trump's permission. This alleged nuclear bomb was dropped from an F-35 fighter jet and was a secret test at Area 51, which was completely successful. Furthermore, atomic bomb components were also tested. The United States conducted its first nuclear test in 1992. Prior to that, the Soviet Union had conducted a nuclear test in 1990. China and France conducted their own nuclear tests in 1996. India and Pakistan conducted their tests in May 1998. During that period, treaties banning comprehensive and partial nuclear testing were signed, although India did not sign the CTBT. However, the United States possessed the atomic bomb as early as 1945, which reduced Japanese cities like Hiroshima and Nagasaki to rubble. Millions of innocent and premature deaths occurred, and the effects of that nuclear attack were felt for generations. Generations were born disabled and sick. Therefore, the question is extremely serious and sensitive: if the United States has tested a nuclear bomb after 33 long years, how destructive and genocidal can a nuclear bomb prove to be in this current era? This test, conducted amidst silence and sandy plains, was codenamed "Operation Shadow Drop." The question is, has the US flouted all nuclear non-proliferation treaties? The Partial Nuclear Test Ban Treaty (LTBT) and the Comprehensive Nuclear Test Ban Treaty (CTBT) are the main treaties. The US and Russia signed these treaties. However, India did not sign the CTBT because it considers it discriminatory. Russia withdrew its support from the CTBT in 2023. From 1945 to 1996, more than 2,000 nuclear tests were conducted, of which the US conducted 1,032 and the Soviet Union conducted 715. After 1996, the United Nations also adopted the CTBT. 187 countries signed it and 178 ratified it. It cannot enter into force until 44 specific countries ratify the treaty. Eight specific countries have not yet ratified it.

Sheikh Hasina's Sentencing: Bangladesh's Future in Further Distress

The Bangladesh interim government's demand that India hand over Sheikh Hasina to them could further escalate tensions between the two countries, as it is certain that India will not comply. This is even more so because Sheikh Hasina, who calls the tribunal a kangaroo court, may challenge its decision. Sheikh Hasina's Death Sentence: Questions on the Tribunal's Legitimacy. The Bangladesh International Crimes Tribunal's decision to sentence former Prime Minister Sheikh Hasina, who has taken refuge in India, to death for crimes against humanity, naturally creates the impression that an international organization has delivered this verdict. However, this is Bangladesh's own tribunal with an international name, whose judges and lawyers were appointed by the interim government led by Mohammad Yunus. The legitimacy and credibility of this tribunal are as questionable as those of the interim government. The tribunal's decision sentencing Sheikh Hasina is also being questioned because it sentenced Chowdhury Abdullah, who was the police chief at the time of the student protest violence, to only five years in prison. It's undeniable that many people were killed in the anti-reservation movement that erupted during Sheikh Hasina's government, but the fact remains that this movement was also violent and aimed at overthrowing the government. Police personnel, along with Awami League supporters, were among the targets of this movement. It should also be noted that many of those accused of inciting violence during this movement joined the interim government. While Sheikh Hasina undoubtedly ordered the police to deal with the violent student movement while in power, it is strange to conclude that the students were killed at her behest. There was a strong possibility of such a harsh decision against Sheikh Hasina by the so-called International Tribunal, as the interim government there was not happy with her. This is evident from the fact that her party, the Awami League, has been banned and prevented from participating in the elections. Furthermore, the deaths of people who died during the violent protests were not taken into account. With Sheikh Hasina's death sentence, it is clear that her supporters will be repressed during the upcoming elections in Bangladesh. The way radical organizations have been allowed to participate in these elections further jeopardizes Bangladesh's future. Radical elements could seize power after the elections. If this happens, India's problems will worsen. The way the interim government of Bangladesh demanded that India hand over Sheikh Hasina to them could also increase tensions between the two countries, as it is certain that India will not do so. This is all the more so because Sheikh Hasina, who is calling the tribunal a kangaroo court, can challenge its decision.

The Creamy Layer in Reservations: CJI Gavai's Statement Rekindles Debate

Supreme Court Chief Justice B.R. Gavai has called for the implementation of a creamy layer in SC reservations, a topic that has been discussed previously. He stated that reservation benefits should only be available to deserving individuals, and that those from disadvantaged communities should be excluded. He believes that the sons of an IAS officer and a poor laborer cannot be treated equally. Chief Justice B.R. Gavai's views on the need to implement the creamy layer principle in Scheduled Caste reservations are not new; he has made similar statements before. The Supreme Court recently recognized sub-categorization within Scheduled Caste and Scheduled Tribe reservations. Justice Gavai was also on that bench. It is clear that he strongly advocates that the creamy layer principle, which applies to Other Backward Classes (OBC) reservations, should also be applied to reservations for other reserved categories, namely, Scheduled Castes and Scheduled Tribes. It's natural that his statement will spark divergent opinions, and his idea of ??implementing a creamy layer in SC-ST reservations will also be criticized. However, justice and policy dictate that the reservation system should be implemented in a way that ensures that only deserving individuals receive its benefits. This will be achieved only when the affluent, creamy layer members of the deprived classes are prevented from claiming reservation benefits. In favor of the creamy layer system in SC-ST reservations, Justice Gavai rightly stated that the sons of IAS officers and poor laborers cannot be treated equally. It should be noted that the purpose of reservations is to make special efforts to uplift those from the deprived and backward classes who are truly socially disadvantaged. Generally, these socially disadvantaged individuals are also economically weak. The argument against implementing the creamy layer principle in reservations is that even after a person from a reserved category reaches a high position, they often face neglect or discrimination. This argument cannot be dismissed, but it proves that reservation is not the only solution to eliminate social inequality and economic disparity. It cannot be ignored that many people from weaker sections of the country have become socio-economically capable without reservation. To ensure that reservation truly helps uplift the deserving, i.e., the weaker sections, the principle of creamy layer should be adopted, along with other measures, just as sub-categorization was recognized in SC-ST reservations. Similarly, if those capable members of reserved categories who have reached high positions by taking advantage of reservation voluntarily relinquish it, it will create a positive environment and strengthen the views expressed by the Chief Justice.

Jihadi violence, not terrorism... The political-intellectual class needs a fact-based understanding

The article highlights the ideological aspects of jihadi violence and terrorism. It reveals how the political and intellectual classes underestimate the threat of jihad. According to the author, jihad cannot be countered solely with military force, but through ideological and educational efforts. Defeating jihad can only be achieved by refuting Islamic claims and spreading accurate information. Jihadi violence: An ideological war. The ignorance of the political class—a sword is possible to counter through educational efforts. For decades, jihadi violence has been countered, contrary to the adage: "Where a needle is useful, a sword is useless." Efforts are being made to defeat the work of a needle, of ideological and educational struggle, with the sword, military attacks, and so on. The democratic world is mired in self-deception. Therefore, new terror-mongering groups, organizations, and leaders keep emerging because they fear neither death nor the sword. Only the sword is ineffective against them. What is called terrorism is called jihad by the terrorists themselves and mujahideen. In India, an organization was called the Indian Mujahideen. It carried out numerous bombings in cities like Lucknow, Varanasi, Jaipur, Delhi, Mumbai, and more, killing hundreds of civilians. The term jihad has resonated repeatedly in India for hundreds of years, from the mouths and pens of great invaders like Ghaznavi and Babur, sultans and emperors, and great scholars like Maududi and Iqbal. Yet, our political and intellectual class remains silent on jihad. How can it confront something it hesitates to even look into the eyes of? If we are to combat the violence and terror committed by the mujahideen, we must truly confront jihad. Labeling it extremism, terrorism, perversion, etc., leads to false solutions. This can be seen on a large scale in the American failures in Afghanistan and Pakistan. One organization is followed by another. One leader is succeeded by another. An Indian Imam once said, "If one Osama dies, a hundred will be born." The conviction with which he said this must be reconsidered and attacked, only then will a solution be found. Those ignorant of jihad are the jihadists' greatest shield. The doctrine of jihad divides humanity into two parts: those who believe in Islam and those who do not. This is what creates this doctrine's dual morality: one treatment for Muslims and another for infidels. This is what gives rise to the concept of "Dar al-Islam" (places ruled by Muslims) and "Dar al-Harb" (places ruled by infidels). This is why Jews were told that the entire world belongs only to Muslims and that they should convert to Islam to save their lives. This claim is political Islam, and the activity of implementing it is jihad. It has countless peaceful forms, from demanding the denial of history to imposing Sharia and Halal on everyone. Jihad is all-encompassing warfare. In Sahih Bukhari, two percent of the hadiths related to jihad equate certain actions with jihad, but the remaining 98 percent deal with armed violence. Armed jihad has been the source of political Islam's success. This has been witnessed countless times in India's last thousand years. From Muhammad bin Qasim's invasion of Sindh to the Muslim League's Direct Action, the creation of Pakistan, and the extermination of Hindus from Kashmir, if any word and deed are consistent, it is jihad and violence. Jihad encompasses an entire mentality and lifestyle. One should seek authentic knowledge about jihad, especially those against whom there is a constant call for jihad and who have endured it for centuries. Babur also waged jihad. The "Baburnama" refers to the attack on India as jihad. Babur proudly called himself "Gazi," meaning one who fights jihad. From Babur to the Indian Mujahideen, everyone considers the same sources as their guides, the original Islamic sources. All their beliefs, inspirations, and ideals stem from these. Therefore, political Islam's relationship with the rest of the world is one of jihad or temporary peace. Its doctrine does not posit any third position. Calling jihadists terrorists is self-delusion. Our political-intellectual class needs a fact-based understanding. Then it will become clear where jihad theory is weak, and where it can be challenged and defeated. Defeating jihad is primarily a field of thought and education. To refute Islamic claims and doctrines through open, scientific testing, and to disseminate all these facts through education and the media. The survival of jihadist terror lies in the infidels' ignorance of this.

यूनिवर्सिटी में छात्राओं का 'महासंग्राम': लंच पर कॉमेंटबाजी से विवाद...बाल नोचे, जमीन पर गिराया और मारे थप्पड़

छात्राओं को भिड़ता देख छात्र मोबाइल से वीडियो बनाकर शोर मचाते रहे। किसी ने मारपीट का वीडियो अपने मोबाइल से बनाकर उसे वायरल कर दिया। ये एक मिनट 10 सेकंड का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मंगलवार की दोपहर छात्राओं के दो गुटों में जमकर मारपीट हुई। इस दौरान छात्र मोबाइल से वीडियो बनाते रहे। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया गया है। मारपीट की सूचना पर पहुंचे संस्थान के अधिकारियों के सामने भी छात्राएं आपस में मारपीट करती रहीं। संस्थान प्रशासन ने सभी छात्राओं के परिजनों को बुलाया है। पाकबड़ा के लोदीपुर राजपूत स्थित आईएफटीएम विश्वविद्यालय में मंगलवार की दोपहर करीब एक बजे मैदान में छात्राएं में लंच कर रही थीं। एक-दूसरे के लंच बॉक्स को देखकर कॉमेंट्स करने लगीं। बात बढ़ी तो एक दूसरे से मारपीट करने लगीं। जिसे देख मौके पर छात्रों की भीड़ जमा हो गई।

तेज रफ्तार रोडवेज बस ने दो बाइकों को रौंदा, पंपकर्मी की मौत... बीस यात्री जख्मी, मची चीख-पुकार

कुंदरकी में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने दो बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद वह पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि बस में बैठे बीस लोग जख्मी हो गए। कुंदरकी में तेज रफ्तार रोडवेज बस ने दो बाइकों में जोरदार टक्कर मार दी। इसके बाद वह पेड़ से टकरा गई। हादसे में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि बस में बैठे बीस लोग जख्मी हो गए। हादसे के कुछ ही देर बाद ही राहगीरों के साथ आसपास के लोगों की घटनास्थल पर भारी भीड़ जमा हो गई। इसके चलते मुरादाबाद-आगरा नेशनल हाईवे पर जाम लग गया। पुलिस ने पहले क्षतिग्रस्त सभी वाहनों को कब्जे में ले लिया।आरोपी बस चालक भाग निकला। इस हादसे में बिलारी क्षेत्र के ग्राम सिहाली नंदा निवासी बाइक सवार पेट्रोप पंप कर्मी कमल कुमार (30) पुत्र रामगोपाल की मौत हो गई। उसका छोटा भाई विनय कुमार गंभीर रूप से घायल हुआ है। वहीं बिलारी क्षेत्र के ही ग्राम नौशना स्योडारा निवासी दूसरी बाइक पर सवार राजमिस्त्री बाबूराम और देशपाल और रामपुर जिले के सैफनी निवासी उस्मान घायल हुए हैं। बस में सवार 15 यात्री चोटिल हुए हैं।पुलि स ने गंभीर घायल में विनय, बाबू राम और देशपाल को सीएचसी पर भर्ती कराया। हालत गंभीर होने पर तीन घायलों को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। थाना प्रभारी जसपाल सिंह ग्वाल ने बताया कि शव को पीएम कराने के उपरांत परिजनों को सौंप दिया। तेज गति की वजह से हुआ भीषण हादसा- कुंदरकी बाईपास पर अक्सर पर भीषण हादसे वाहनों की तेज रफ्तार की वजह से हो रहे है जिन पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि रोडवेज बस बिलारी की दिशा से तेज गति से आ रही थी। तभी बाइक सवार जलालपुर रोड से बाईपास की ओर से आ रहे थे। इसी बीच चालक तेज रफ्तार बस से नियंत्रण खो बैठा और बाइकों को रौंदते हुए बस पेड़ से टकरा कर रुक गई। पति की मौत पर बदहवाश हुईं मां और पत्नी- सड़क हादसे में पेट्रोल पंपकर्मी कमल कुमार की मौत और उसके छोटा भाई विनय के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना पर परिजन बेहाल हो उठे। कुछ परिवार वाले कुंदरकी सीएचसी पहुंचे। मृतक कमल कुमार की मां सुखरानी, पत्नी प्रियंका, एक बहन और तीन भाई गमगीन हो गए। वह अपने पीछे तीन मासूम बच्चे, जिसमें बेटी काव्या, प्रज्ञा और बेटा मुखिया को छोड़ गए हैं।

हथियारबंद बदमाशों का निर्यातक के घर पर धावा, गेट पर तैनात गार्ड को पीटा, आनन-फानन पहुंची पुलिस

मानसरोवर कॉलोनी में हथियारबंद बदमाशों ने एक्सपोर्टर अरविंद बडेरा के घर में घुसकर बड़ी लूट की। बदमाशों ने गार्ड को पीटकर बंधक बनाया और उसे एक कमरे में बंद कर दिया। दूसरे गार्ड की सूचना पर मामले की जांच शुरू पहुंची पुलिस ने है।मानसरोवर कॉलोनी कर दी रात चार हथियारबंद में बुधवार देर एक्सपोर्टर अरविंद बदमाशों ने घुसकर लूट को बड़ी बडेरा के घर में अंजाम दिया। बदमाश घटना को गार्ड कमलेश को ने गेट पर तैनात जमकर पीटा। इसके बंधक बनाकर पर कपड़ा बांध एक बाद उसके मुंह दिया।गार्ड के शरीर पर कमरे में बंद कर निशान और कमरे के चोटों के गहरे छींटे मिले हैं। रात की फर्श पर खून के सुबह तब चला जब वारदात का पता तोताराम ड्यूटी पर दूसरा गार्ड देखा कि मुख्य गेट पहुंचा। उसने रात की शिफ्ट वाला अंदर से बंद है। कोई जवाब नहीं दे गार्ड कमलेश पर उसने पड़ोसियों को रहा।शक होने फिर मकान मालिक व पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और दीवार के सहारे अंदर जाकर गेट खोला। घर के भीतर कमलेश कमरे में घायल हालत में पड़ा मिला। उसे तुरंत बाहर निकाला गया। घर की अलमारियां और कमरों की हालत देख लग रहा था कि बदमाशों ने पूरी साजिश के तहत लूटपाट की है। घटना के समय एक्सपोर्टर अरविंद बडेरा और उनका परिवार शहर से बाहर था। इसलिए घर से क्या-क्या सामान लूटा गया यह उनके लौटने पर ही स्पष्ट होगा। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वायड ने मौके पर पहुंचकर पूरे घर की बारीकी से जांच की। पुलिस ने कॉलोनी के सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू कर दिए हैं। बदमाशों की तलाश के लिए कई टीमें लगा दी गई हैं।

बिलासपुर में सेवा ट्रस्ट को सौंपा गुरुद्वारे का संचालन, दो पक्षों में चल रहा था विवाद, पुलिस बल तैनात

रामपुर के बिलासपुर में स्थित शहीद बाबा दीप सिंह पसियापुरा गुरुद्वारा का संचालन शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट को सौंप दिया गया। लंबे समय से प्रबंधक कमेटी और ट्रस्ट के बीच विवाद चल रहा था। ट्रस्टी सतनाम कौर की अवमानना याचिका पर तलब किया था। बुधवार को एसडीएम व पुलिस कराते हुए ट्रस्ट को गुरुद्वारे का जिम्मा सौंप दिया। नवंबर को होने वाली सुनवाई से दो दिन पहले का संचालन गुरुद्वारा बाबा दीप सिंह शहीद स्मारक बाद बुधवार को धार्मिक कार्यों का संचालन भी चहेतों को गुरुद्वारा संचालन सौंपने की मंशा नाकाम दिखा रहे थे। इस बीच सुरक्षा की दृष्टि से गुरुद्वारे शहीद बाबा दीप सिंह गुरुद्वारे के संचालन को सिंह जी कार सेवा नवाबगंज और गुरुद्वारा बाबा के मध्य लंबे समय से विवाद चल रहा था। मामला स्मारक सेवा ट्रस्ट की ट्रस्टी सतनाम कौर ने हाईकोर्ट का वाद दायर किया है। हाईकोर्ट ने इस मामले में था। ट्रस्टी पक्ष के सतेंद्र सिंह के अनुसार, एसडीएम हाईकोर्ट ने एसडीएम और कोतवाली प्रभारी को टीम ने सिविल न्यायालय के आदेशों का पालन हाईकोर्ट में चल रहे अवमानना के मामले में 21 प्रशासन ने गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह पसियापुरा सेवा ट्रस्ट को सौंप दिया। अधिकार मिलने के शुरू हो गया। प्रशासन की एक पक्ष को अपने हो गई। एक आला अधिकारी इसमें खास रुचि के बाहर पुलिस तैनात है। ग्राम नवाबगंज में लेकर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी शहीद बाबा दीप दीप सिंह शहीद स्मारक सेवा ट्रस्ट (ट्रस्टी पक्ष) इलाहाबाद हाईकोर्ट में विचाराधीन है। शहीद में सिविल न्यायालय के आदेशों की अवहेलना एसडीएम और कोतवाली प्रभारी को तलब किया व कोतवाली प्रभारी ने तीन सप्ताह के अंदर आदेशों का अनुपालन कराने के लिए समय मांगा था। 21 नवंबर को हाईकोर्ट में आदेश की अवहेलना मामले में तारीख भी नियत है। बुधवार दोपहर करीब 2:30 बजे एसडीएम अरुण कुमार, सीओ रविंद्र प्रताप सिंह, कोतवाली प्रभारी बलवान सिंह पुलिस बल के साथ नवाबगंज पहुंचे। सिविल न्यायालय के आदेशों का अनुपालन कराते हुए ट्रस्टी सतनाम कौर को गुरुद्वारे में प्रवेश कराया और जिम्मेदारी सौंप दी। ट्रस्टी सतनाम कौर ने बताया, पुलिस-प्रशासन ने हाईकोर्ट की तारीख से दो दिन पहले उन्हें गुरुद्वारे का संचालन सौंपा है। दूसरा पक्ष बोला- जानकारी नहीं दूसरे पक्ष गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी शहीद बाबा दीप सिंह जी कार सेवा नवाबगंज के सदस्य लखविंदर सिंह ने बताया कि पुलिस-प्रशासन द्वारा ट्रस्टी पक्ष को गुरुद्वारे में बैठाने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। वह इस समय बाहर हैं। आला अधिकारी की थी एक पक्ष में विशेष रुचि- गुरुद्वारे के संचालन विवाद दरअसल एक प्रशासनिक अफसर के दखल से बिगड़ा। हाईकोर्ट ने भी निचली अदालत के आदेश की पालना न होने पर नाराजगी जताई थी। लेकिन, हाईकोर्ट की अगली सुनवाई से पहले प्रशासन ने सिविल जज के आदेश की पालना कर दी। यह था विवाद- गुरुद्वारा शहीद बाबा दीप सिंह के संचालन को लेकर ट्रस्टी सतनाम कौर (ट्रस्टी पक्ष) और गुरुद्वारा प्रबंधक (गुरमीत पक्ष) के बीच विवाद था। ट्रस्टी पक्ष का कहना था, गुरुद्वारा उनके खेत गाटा नंबर 57 में हैं और इसका संचालन ट्रस्ट करता है। सिविल जज (सीनियर डिवीजन) ने उनके पक्ष में निर्णय दिया है। वहीं, गुरमीत सिंह पक्ष का दावा था कि गुरुद्वारा गाटा संख्या 56 में है। दावा था-शासन के आदेश पर बनी जांच कमेटी की रिपोर्ट इसकी पुष्टि करती है। 15 सितंबर को हुए बवाल के बाद प्रशासन ने गुरुद्वारे को अपने नियंत्रण में ले लिया था। तब से रामपुर के ग्रंथी धार्मिक कार्यों का संचालन कर रहे थे। ट्रस्टी पक्ष को गुरुद्वारे का संचालन सिविल जज के आदेश 09 जुलाई और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के आदेश 11 अगस्तके अनुसार सौंपा गया है। -अजय कुमार द्विवेदी डीएम, रामपुर

संक्षिप्त समाचार

सहालग से बाजार में बढ़ी रौनक, अच्छे कारोबार की उम्मीद

मुरादाबाद । सहालग से महानगर के बाजारों की रौनक में भी चार चांद लग गए हैं। शादी सीजन में कपड़ा, जेवर, सजावट व फूलों के कारोबार को गति दी है। बाजारों में उमड़ी ग्राहकों की भीड़ से व्यापारी भी खुश हैं और इस सीजन में बेहतर कारोबार की उम्मीद जता रहे हैं। महानगर के बुध बाजार, गुरहट्टी, टाउनहॉल, चौमुखापुल, मंडी चौक, कोर्ट रोड, मकबरा और कटरा बाजार की दुकानों में दिन भर ग्राहकों की चहल-पहल बनी हुई है। रेडीमेड गारमेंट्स कारोबारी नितिन आहूजा के अनुसार इस बार दूल्हों के लिए क्रीम और लाल रंग की शेरवानी खास पसंद की जा रही है। ठंड को देखते हुए लोग डार्क कलर की जोधपुरी और वर्क वाली शेरवानी खरीद रहे हैं। वहीं, डिजाइनर लहंगों की मांग भी लगातार बढ़ रही है। अधिकांश ग्राहक लहंगे और साड़ी की खरीदारी दूल्हे की शेरवानी से मैचिंग कर रहे हैं। पिछले साल के मुकाबले इस बार रेडिमेड परिधानों की बिक्री में करीब 20 से 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। महिलाओं के बीच भारी सिल्क साड़ियां और वर्क वाले लहंगे की खास मांग है। साथ ही ब्लेजर की बिक्री भी तेजी पर है। गहनों की खरीदारी में दिखा उत्साह- सहालग के चलते मंडी चौक के सराफा बाजार में भी खरीदारों की भीड़ दिख रही है। सराफ आनंद वर्मा के अनुसार इस बार महंगाई का असर खास नहीं दिख रहा है। ग्राहक आकर्षक और कम वजन वाले गहनों की ओर अधिक झुकाव दिखा रहे हैं। पारंपरिक हार, टीका और अंगूठी की बिक्री में अच्छी तेजी है। सोने-चांदी के आभूषणों में डिजाइन और फिनिश पर लोग ज्यादा ध्यान दे रहे हैं।दिल्ली से मंगाए जा रहे फूल- दूल्हे की गाड़ी, जयमाल स्टेज और मंडप सजाने के लिए गुलाब, गेंदे और चमेली के फूलों की भारी मांग बनी हुई है। फूल डेकोरेटरों ने पहले से ही बुकिंग शुरू कर दी है। फूलों के थोक व्यापारी सुनील सैनी ने बताया कि दिल्ली से गुलाब, गेंदे और चमेली के फूल मंगाए जा रहे हैं

राहत की सांस: बेहतर हुई मुरादाबाद की हवा, संतोषजनक व मॉडरेट श्रेणी में एक्यूआई

मुरादाबाद । एक तरफ जहां दिल्ली व आसपास वायु प्रदूषण खतरनाक हो रहा है वहीं मुरादाबाद में बुधवार को हवा बेहतर रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार दिखा। एक्यूआई संतोषजनक व मॉडरेट श्रेणी में रिकॉर्ड किया गया। दिवाली व आसपास के क्षेत्रों में वायु प्रदूषण काफी बढ़ गया था। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) बढ़कर 300 पीजीएम के पार हो गया था। लेकिन इसके बाद धीरे-धीरे इसमें सुधार हुआ। हालांकि पिछले सप्ताह एक बार फिर अचानक प्रदूषण का स्तर बढ़ गया था।

मगर बुधवार को हवा साफ रही। सुबह 10 बजे जिगर कॉलोनी में एक्यूआई 90, ट्रांसपोर्ट नगर में 96, कांठ रोड स्थित सेवायोजन कार्यालय क्षेत्र में 99, दिल्ली रोड पर बुद्धि विहार में 111 और ईको हर्बल पार्क क्षेत्र में 182 पीजीएम (घन प्रति मिलियन) रिकॉर्ड किया गया। माना जा रहा है कि नगर निगम की ओर से सड़कों की मैकेनिकल स्वीपिंग के साथ ही वाटर स्प्रिंकलर से सड़कों के डिवाइडर व पेड़ों पर पानी के छिड़काव से वायु गुणवत्ता में सुधार हुआ है। हालांकि घना कोहरा न होने से नमी में कमी के चलते धूल के कण न जमने से भी हवा साफ होने का एक कारण माना जा रहा है।नगर निगम के अधिकारियों का कहना है कि मुरादाबाद में स्वच्छता को लेकर लगातार जागरूक किया जा रहा है। वायु प्रदूषण न बढ़े इसके लिए लोगों से खुले में कूड़ा न जलाने, वाहनों का प्रदूषण स्तर नियमित जांच कराकर उसे गुणवत्ता के मानक के अनुसार रखने आदि के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

102/108 एम्बुलेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम में बरखेड़ा के चिकित्साधिकारी डॉक्टर चंद्रप्रकाश ने किया मार्गदर्शन

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली7 ईएमआरआई ग्रीन हैल्थ सर्विस संस्था की तरफ से ईएमटी प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज नवां बैच समाप्त हो गया है। इसमें संस्था की और से आए हुए ट्रेनर मनोहर लाल और संदीप कुमार ने एम्बुलेंस सेवा को और बेहतर बनाने के लिए एम्बुलेंस कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया। 300 बेड कोविड हॉस्पिटल बरेली में आयोजित क्लस्टर बेस्ड ट्रेनिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम में 4 जिलों (बरेली, बदायूं, पीलीभीत, कासगंज) के ईएमटी (इमर्जेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) को अलग-अलग बैच में बुलाकर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिससे हर जिले के सभी मरीज को बेहतर सुविधा प्रदान की जा सके। प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बरखेड़ा के चिकित्साधिकारी डॉक्टर चंद्रप्रकाश ने कार्यक्रम को संबोधित किया और ईएमटी चिकित्सा संबंधी जानकारी दी और एम्बुलेंस में उपलब्ध दवाओं का उपयोग, उपकरण का संचालन एवं आपातकाल में जूझ रहे लोगों के इलाज के बारे मे बताया। एम्बुलेंस कर्मचारियों को बताया के एम्बुलेंस में मरीज को ले जाते समय उनकी हालत को बेहतर बनाए रखना मुख्य कर्तव्य है। इस मौके पर बरेली प्रोग्राम मैनेजर शिवम सोनी, पीलीभीत प्रोग्राम मैनेजर राजेश कुमार रोशन, क्वालिटी ऑडिटर संदीप व सभी जिलों के ईएमटी मौजूद रहे।

नदीम इकबाल बने आईबीएफए के प्रदेश संरक्षक ,अमित चौहान ज्वाइंट सेक्रेट्री बनाया गया

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली।आईबीएफए प्रदेश संरक्षक) इंडो बॉडी बिल्डिंग फिटनेस एसोसिशन यूपी के तत्वाधान में राष्ट्रीय कोर कमेटी के द्वारा नदीम इकबाल को आईबीएफए प्रदेश संरक्षक एवं अमित चौहान जी को प्रदेश ज्वाइंट सेक्रेट्री बनाया गया है। आईबीएफए राष्ट्रीय सचिव नदीम खान ने बताया कि नवनिर्वाचित पदाधिकारियो का सम्मान समारोह आज 20 नवंबर 2025 प्रात: 11 बजे, गुलाब रिसोर्ट, नियर रेशमा हॉस्पिटल, मिनी बाय पास बरेली पर किया गया । नवनिर्वाचित पदाधिकारियो को संगठन द्वारा जारी प्रमाण पत्र एवं फूल मालाओं से सम्मानित किया गया । सम्मान समारोह में आईबीएफए प्रदेश ज्वाइंट सेक्रेट्री मनमोहन सिंह तनेजा, फौजी चरन सिंह यादव, अब्दुल अलीम, आलम सिद्दीकी, नसीम खान (गुड्डू), डॉ नदीम आलम, सुदेश कुमार,मो आकिल, मो आरिफ पिंटू,, मोईन उद्दीन,मुश्ताक अली, गिरजेश मिश्रा, फुरकान अहमद खान, फैजान खान, नमन तनेजा,सुहैल पठान, राजू, समसुद्दीन आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

जिंदा मिली महिलाओं की पेंशन होगी चालू, गलत सत्यापन पर कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। पेंशन की सत्यापन रिपोर्ट में मृतक दिखाईं गईं सभी 1100 महिलाओं का फिर से सत्यापन होगा। सीडीओ देवयानी ने डीपीओ मोनिका राणा को दोबारा सत्यापन के निर्देश दिए हैं। सीडीओ ने बताया कि आंवला से सत्यापन शुरू हो गया है, जहां पर अधिकारियों और कर्मचारियों की टीम ने महिलाओं के घर-घर जाकर उनका सत्यापन करना शुरू कर दिया है। कहा कि इस प्रक्रिया में महिलाओं की पहचान करने के लिए उनके दस्तावेजों की जांच की जा रही है, साथ ही उनकी जीवित होने की पुष्टि भी की जा रही है।

पशुओं की खाल से बनी दवा से होगा शुगर व का इलाज आईवीआरआई के वैज्ञानिक कर रहे शोध

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। मृत पशुओं की खाल से बनी दवा रक्त में शर्करा (शुगर) के स्तर को कम करेगी। आर्थराइटिस के दर्द से भी मरीजों को निजात दिलाएगी। बरेली स्थित भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) के वैज्ञानिक इस पर तीन साल से शोध कर रहे हैं। उन्होंने खाल से कोलेजन बनाने का तरीका खोज लिया है। प्रयोगशाला में इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। अब क्लीनिकल यानी मनुष्यों पर परीक्षण की तैयारी है। आईवीआरआई के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. एके विश्वास के मुताबिक, वर्ष 2022 में यह शोध शुरू हुआ था। इसमें कानूनी तौर पर स्लॉटर होने वाले पशुओं समेत संस्थान के डेयरी फार्म में मृत पशुओं की खाल का इस्तेमाल किया गया। खाल को जिलेटिन से हाइड्रोलाइज कर उससे कोलेजन पाउडर बनाने की तकनीक विकसित की। इस प्रक्रिया से तैयार कोलेजन का इस्तेमाल बतौर दवा हो सकता है या नहीं, इसके लिए प्रयोगशाला में परीक्षण शुरू हुआ। इसके सकारात्मक परिणाम मिले हैं। मांस से बनाए संपूरक आहार में 80 फीसदी प्रोटीन डॉ. एके विश्वास के मुताबिक, एथेलेटिक्स, भारोत्तोलन, जिम में पसीना बहाने वाले या अन्य कार्यों में अधिक श्रम करने वालों को ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। उनके लिए प्रोटीन संपूरक आहार (सप्लीमेंट) भी बनाया गया है। इसमें शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व भी नहीं होते। पशुओं के मांस से तैयार सप्लीमेंट में प्रोटीन की मात्रा 80 फीसदी होती है। सामान्य रूप से मांस खाने पर इतना प्रोटीन नहीं मिलता।

ताइक्वांडो प्रतियोगिता में पदक जीतने वाले छात्र/छात्राओं को जिलाधिकारी ने किया सम्मानित

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने आज 14 से 17 सितम्बर तक पी. एन.श्री राजकीय इण्टर कालेज मिर्जापुर में आयोजित 69वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 में पदक जीतने वाले छात्र/छात्राओं से मुलाकात की और उन्हें सम्मानित किया। 69वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता 2025 पी.एम. श्री राजकीय इण्टर कालेज मिर्जापुर में आयोजित हुई थी जिसमें अन्डर 14 आयु वर्ग बालिका वर्ग में यू.पी.एस शिवनगर भुता के कक्षा 6 की छात्रा रागिनी ने कांस्य पदक, कक्षा 7 की छात्रा प्रियांषी ने कांस्य पदक, कक्षा 6 की छात्रा अनुपम गौतम ने कांस्य पदक, कक्षा 6 की छात्रा पारूल ने कांस्य पदक तथा कक्षा 8 की छात्रा अर्चिता सिंह ने रजत पदक प्राप्त किया है। इसी प्रकार अन्डर 14 आयु वर्ग बालक वर्ग में यू.पी.एस शिवनगर भुता के कक्षा 7 के छात्र इन्द्रजीत सिंह ने कांस्य पदक, कक्षा 8 के छात्र दिनेश ने कांस्य पदक तथा कक्षा 7 के छात्र अनुज कुमार ने स्वर्ण पदक प्राप्त किया। इसी प्रकार अन्डर 17 आयु वर्ग की बालिकाओं की प्रतियोगिता में कुसुम कुमारी बालिका इन्टर कालेज की कक्षा 10 की छात्रा काजल ने रजत पदक, इस्लामिया बालिका इन्टर कालेज की कक्षा 11 की छात्रा पूजा ने रजत पदक प्राप्त किया गया व अन्डर 17 आयु वर्ग की बालको की प्रतियोगिता में राजकीय इन्टर कालेज के कक्षा 9 के छात्र लव भारती ने रजत पदक प्राप्त किया। विजयी छात्र/छात्राओं ने अपने टीम कोच जय सिंह के साथ आज जिलाधिकारी से उनके कार्यालय कक्ष में मुलाकात की जिलाधिकारी द्वारा समस्त विजेता छात्र/छात्राओं को सम्मानित और प्रोत्साहित किया गया।

एसआईआर में लापरवाही करने पर दो बीएलओ के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा / बरेली। बिथरी चैनपुर विधानसभा क्षेत्र में एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) अभियान में लापरवाही बरतने पर सुपरवाइजर ने बीएलओ प्रिया गुप्ता और रुकसार फात्मा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। वहीं, सुभाषनगर में मतदाताओं को गलत पते के गणना प्रपत्र देने का मामला सामने आया है। सुपरवाइजर अनुपम आनंद ने सहायक अध्यापक एवं बीएलओ प्रिया गुप्ता के विरुद्ध अलीगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उन्होंने थानाध्यक्ष को बताया कि वह निर्वाचन कार्य में रुचि नहीं ले रही हैं। सुपरवाइजर जय नरायन ने भाग संख्या-170 की बीएलओ रूकसार फात्मा के विरुद्ध सुभाषनगर थाने में एफआईआर दर्ज कराई है। उधर, कैंट विधान सभा क्षेत्र के सुभाषनगर मोहल्ले के लोगों ने गलत पते पर गणना प्रपत्र देने का आरोप लगाया है। यहां के हरजीत सिंह उर्फ राजा राठी का कहना है कि बीएलओ राजीव कॉलोनी के पते से मतदाताओं को गणना प्रपत्र बांट रहे हैं। इससे दो हजार से अधिक मतदाताओं के फार्म त्रुटिपूर्ण हो जाएंगे। प्रकरण में सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी गुलाब चंद्र ने बताया कि जानकारी कर मामले में कार्रवाई करेंगे। लेखपाल व सींचपाल बरत रहे लापरवाही- डीएम अविनाश सिंह ने कलक्ट्रेट सभागार में बुधवार को सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों के साथ निर्वाचन कार्यों की बूथवार समीक्षा की। अधिकारियों से कहा कि पांच प्रतिशत से नीचे जिनके फार्म डिजिटाइजेशन हुए हैं, वह अपने सुपरवाइजर और बीएलओ को बुलाकर समीक्षा करें। उन्हें सक्रिय करें, जिससे कार्य में गति आए। जिन सुपरवाइजर और बीएलओ की तरफ से कार्य में शिथिलता बरती जा रही है, उनके खिलाफ कार्रवाई करें। अधिकारियों ने डीएम को बताया कि सुपरवाइजर नियुक्त किए गए लेखपाल और सींचपाल निर्वाचन कार्य में लापरवाही बरत रहे हैं। इस पर डीएम ने कार्रवाई के लिए कहा।

आगरा से अलीगढ़ तक एक्सप्रेस-वे, एक घंटे में तय होगा सफर, इन 66 गांव से गुजरेगा; आसमान छुएंगे जमीनों के दाम

आगरा-अलीगढ़ के बीच ग्रीन एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। ये एक्सप्रेस वे 66 गांवों की कनेक्टिविटी बढ़ाएगा। इसके बनने से गांव में जमीनों के भाव भी आसमाम छुएंगे। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया (एनएचएआई) ने आगरा-अलीगढ़ ग्रीन एक्सप्रेस वे का निर्माण कार्य किमी का एक्सप्रेस वे है। इसे एनएच-91 से जोड़ा जाएगा। के 66 गांवों की कनेक्टिविटी खंदौली से 45 मिनट और आगरा पहुंच सकेंगे। दो साल बाद एक्सप्रेस वे पर वाहन फर्राटा भरना के परियोजना निदेशक संदीप एक्सप्रेस वे की दूरी 64.9 किमी बनाया जा रहा है। पहले चरण में 36.9 किमी और दूसरे में 28 किमी है। 36.9 किमी की लागत 820.40 करोड़ रुपये है, जबकि 28 किमी एक्सप्रेस वे के निर्माण पर 716.50 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इनका निर्माण गाजियाबाद और फरीदाबाद की कंपनियां करा रही हैं। दोनों कंपनियों ने निर्माण कार्य शुरू करा दिया है। 48 महीने में एक्सप्रेस वे बनकर तैयार हो जाएगा। इसे खंदौली के टोल प्लाजा से बनाकर नेशनल हाईवे-91 से जोड़ देंगे। इस तरह से आगरा से अलीगढ़ की दूरी घंटे भर में ही पूरी हो जाएगी। खंदौली से जाने में करीब 45 मिनट का समय लगेगा। तीन जिलों के 66 गांवों को इस एक्सप्रेस वे से जोड़ा जा रहा है। गांवों का भी होगा विकास= परियोजना निदेशक ने बताया कि ग्रीन एक्सप्रेस वे आगरा, हाथरस और अलीगढ़ तक पहुंचेगा। इसमें हाथरस के 48, अलीगढ़ के 14 और आगरा के 4 गांव शामिल हैं। एक्सप्रेस वे पर 49 फुट ओवर ब्रिज, अंडरपास, रेलवे ओवर ब्रिज भी बनाए जाएंगे। इससे आसपास के गांवों के लोग आसानी से एक्सप्रेस वे के दूसरी ओर आ-जा सकेंगे। एक्सप्रेस वे से जुड़ने से इनका विकास भी होगा। जाम से बचाव और ईंधन की होगी बचत- परियोजना निदेशक ने बताया कि एक्सप्रेस वे पूरा होने के बाद आगरा, हाथरस और अलीगढ़ की कनेक्टिविटी आसान हो जाएगी। जाम से बचाव होने के साथ ईंधन की भी बचत होगी। दूरी कम होने से लोगों का समय भी कम लगेगा। एक्सप्रेस वे को बनाने के लिए हरियाली भी प्रभावित नहीं होगी। 64.9= किमी है एक्सप्रेस वे की दूरी 1536.9= करोड़ रुपये है लागत 66= गांवों की बढ़ेगी कनेक्टिविटी 49= एफओबी, अंडरपास, आरओबी बनेंगे। 48= महीने में निर्माण कार्य हो जाएगा पूरा।

मुठभेड़ में गोली लगने से गैंगस्टर समेत दो घायल, दुल्हन के पिता से नोटों से भरा बैग छीनकर हुए थे फुर्र

अंबेडकरनगर में मुठभेड़ में गोली लगने से गैंगस्टर समेत दो टप्पेबाज घायल हो गए। पुलिस ने इन्हें गिरफ्तार कर लिया है। पकड़े गए दोनों टप्पेबाज शादी में द्वार पूजा के समय दुल्हन के पिता से नोटों से भरा बैग छीनकर फरार हो गए थे। यूपी के वाले टप्पेबाजों को पुलिस ने मुठभेड़ में गिरफ्तार जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनके पास हैं। बताते चलें कि16 नवंबर की रात जयपुर के शादी थी। बरात आजमगढ़ जिले से आई थी। द्वार स्वागत के लिए खड़े थे। इसी दौरान एक युवक गया। कुछ दूरी पर उसके साथी खड़े थे, जो उसे गई कुंडली सूचना पर पुलिस केस दर्ज करके सीसीटीवी में घटना कैद हो गई थी। फुटेज की मामलों की कुंडली खंगाली गई। कई लोगों को सूचना मिली कि शादी में टप्पेबाजी करने वाले पर पुलिस ने किशनपुर का बिरहा के ब्रह्म बाबा झोंक दी। जवाबी कार्रवाई में जलालपुर के शाहपुर से घायल हो गए। दोनों वहीं गिर पड़े। पुलिस ने दोनों को दबोच लिया। इस बीच तीसरा साथी कुलदीप अंधेरे का फायदा उठाकर मौके से भाग निकला। बसखारी थाने का गैंगस्टर है आरोपी, दर्ज हैं 12 से अधिक केस- घायलों को सीएचसी भियाव ले जाया गहया। वहां से जिला अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया। तीसरे साथी की पहचान शाहपुर फिरोजपुर निवासी कुलदीप के रूप में हुई है। पकड़े गए आरोपी विशाल लाला पर आजमगढ़, जौनपुर, सुल्तानपुर, जलालपुर, बसखारी थाने में 12 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। यह बसखारी थाने का गैंगस्टर भी है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

वारंटी ने घरवालों संग मिलकर दरोगाओं को पीटा, सर्विस रिवॉल्वर छीनकर फरार; चार थानों की पुलिस तलाश में जुटी

सुल्तानपुर में वारंटी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर वारंटी और घरवालों ने हमला कर दिया। उन्हें ना सिर्फ जमकर पीटा बल्कि एसआई की सर्विस रिवाल्वर छीनकर फरार हो गए। चार थानों की पुलिस उनकी तलाश में जुटी है। यूपी के सुल्तानपुर में बृहस्पतिवार को वारंटी को पकड़ने गए एसआई और उसके साथी पर आरोपी और उसके घरवालों ने हमला कर दिया। दोनों लोगों को जमकर पीटा। इससे वह घायल हो गए। इसके बाद एसआई की सर्विस रिवाल्वर छीनकर आरोपी भाग निकले। पुलिस टीमें उनकी तलाश में जुटी हैं।घटना हलियापुर थाना क्षेत्र के लाला का पुरवा डोभियारा गांव की है। यहां सुबह अयोध्या के कुमारगंज थाने के उप निरीक्षक अकील और भानु प्रताप जानलेवा हमले के प्रयास से जुड़े मामले में वारंटी दशरथ सिंह को पकड़ने पहुंचे थे। दोनों लोग सिविल ड्रेस में थे। इस बीच आरोपी और उसके परिवारवालों ने उप निरीक्षक अकील व भानु प्रताप पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने दोनों उप निरीक्षकों को जमकर पीटा। इससे वह घायल हो गए। यही नहीं एसआई अकील की सर्विस रिवाल्वर छीनकर भाग निकले। सूचना पर चार थानों की पुलिस टीम पहुंची। टीम ने हमलावरों की काफी खोजबीन की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। चार थानों की पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी- हलियापुर थानाध्यक्ष तरुण पटेल ने बताया कि हमलावरों की तलाश की जा रही है। एसआई अकील और भानु प्रताप ने पांच नामजद व कुछ अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। केस दर्ज किया जा रहा है। दो महिलाओं को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया है। कुमारगंज, इनायतनगर, हलियापुर व बल्दीराय थाने की पुलिस हमलावरों की तलाश कर रही है।

अंग्रेजी में बात करेंगे वो बच्चे...जो हैं बेसहारा, राजकीय संप्रेषण गृह में सिखाई जा रही भाषा

राजकीय संप्रेषण गृह में 39 में से 15 बच्चे अंग्रेजी बोलना सीख रहे हैं। कोविड काल या अन्य वजहों से बेसहारा हुए बच्चों को सरकार की पहल पर पढ़ाया जा रहा है।मथुरा के राजकीय बाल संप्रेषण गृह में एक दर्जन से अधिक बच्चे अंग्रेजी बोलना सीख रहे हैं। अंग्रेजी सीखने वाले बच्चे अभी नाबालिग हैं। वे अंग्रेजी भाषा के जरिए अपना भविष्य तय करेंगे।संप्रेषण गृह में रह रहे बच्चे अलग-अलग विधाओं में प्रतिभाग के धनी बन रहे हैं। यहां कुल 39 बच्चे रह रहे हैं। इसमें से 15 बच्चों के लिए अलग से अंग्रेजी विषय के अध्यापक को लगाया गया है। अध्यापक इन बच्चों को फर्राटेदार अंग्रेजी भाषा बोलना सिखा रहे हैं।जिला प्रोबेशन अधिकारी विकास चंद्र ने बताया कि कोविड काल या अन्य वजहों से बेसहारा हुए बच्चों को सरकार की पहल पर पढ़ाया जा रहा है। वर्तमान में 3 बच्चे सेंटपॉल स्कूल, 8 सरस्वती शिशु मंदिर में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। 15 बच्चों को अंग्रेजी बोलना सिखाया जा रहा है।

डीपीएन पब्लिक स्कूल रवा में जिला विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक ने किया शुभारंभ

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार / डीपीएन पब्लिक स्कूल रवा में जिला स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय, पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार एवं विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन, पति आरपी निरंजन द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। अतिथियों ने छात्र-छात्राओं द्वारा तैयार किए गए विज्ञान मॉडलों का विस्तार से अवलोकन किया और उनकी नवाचारपूर्ण सोच की सराहना की। कौंच व नदीगांव ब्लॉकों के आधा सैकड़ा से अधिक विद्यालयों के बच्चों ने 100 से अधिक मॉडलों के साथ प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताएं चार वर्गों जूनियर मॉडल, सीनियर मॉडल, जूनियर क्विज़ व सीनियर क्विज़ में संपन्न हुईं। सभी वर्गों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को मोमेंटो व प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ग में 15-15 सांत्वना पुरस्कार भी वितरित किए गए। विधान परिषद सदस्य रमा निरंजन ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि विज्ञान केवल पुस्तक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सोचने और समस्याओं का समाधान खोजने का तरीका है। उन्होंने कहा कि बच्चों द्वारा प्रस्तुत मॉडल उनकी बुद्धिमत्ता, रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का स्पष्ट प्रमाण हैं। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से आग्रह किया कि वे बच्चों को विज्ञान एवं तकनीक के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करें। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने प्रदर्शनी में बनाए गए मॉडलों की सराहना करते हुए कहा कि यह आयोजन बच्चों में वैज्ञानिक जिज्ञासा, शोध क्षमता और नवाचार की भावना को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने विशेष रूप से छात्राओं द्वारा तैयार किए गए वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े अन्य उत्तम मॉडलों की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि इन मॉडलों में न केवल वैज्ञानिक अवधारणाओं की उत्कृष्ट समझ दिखाई देती है बल्कि भविष्य की जरूरतों एवं चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान भी निहित है। छात्र-छात्राएं इसी प्रकार नवाचार के माध्यम से समाज और राष्ट्र के विकास में योगदान दें। पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार ने छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि विज्ञान और तकनीक आज के समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि छात्र जब वैज्ञानिक सोच और तार्किक दृष्टिकोण अपनाते हैं, तो वे समाज के जिम्मेदार, जागरूक और सक्षम नागरिक बनते हैं। उन्होंने बच्चों को टीमवर्क, अनुशासन और सतत सीखने की भावना के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर प्रज्ञा निरंजन, प्रधानाचार्य अर्पित त्रिपाठी, राम शंकर छानी, गौरव शुक्ला, दीपचंद सोनी, प्रमोद कुमार गुप्ता, हरिमोहन, त्रिभुवन पटेल, अतुल गुप्ता, सुमित त्रिपाठी व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

मऊ में भीषण हादसा: रोडवेज बस की टक्कर से ई-रिक्शा के उड़े परखच्चे, तीन की मौत; सात लोग जिंदगी से लड़ रहे जंग

मऊ में दर्दनाक हादसा हुआ। एक बस ने ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। इस दौरान तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। मऊ जिले के दक्षिण टोला थाना क्षेत्र के शीतला मंदिर मोड़ पर अनियंत्रित रोडवेज की बस ने एक ई-रिक्शा में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में ई-रिक्शा में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। जबकि सात लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

घायलों को आनन-फानन जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं तीन की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है।कैसे हुआ हादसा शीतला मंदिर मोड़ से ई-रिक्शा दूसरी तरफ सड़क पार कर रहा था। उधर, दूसरी तरफ से आ रही अनियंत्रित रोडवेज बस ने ई-रिक्शा में टक्कर मार दी।इनकी हुई मौत- टक्कर इतनी जोरदार थी कि ई-रिक्शा में बैठी महजबीन पत्नी रफीक अहमद, नूरी पत्नी तौकीर अहमद, शाहीन पत्नी तौहीद अहमद निवासी सलेमपुर देवरिया की मौत हो गई। जबकि सात लोग घायल हो गए।घायलों को भेजा गया अस्पताल ये सभी लोग नगर के पहाड़पुरा से ई-रिक्शा से प्यारे का पूरा शादी समारोह में जा रहे थे। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एएसपी अनूप कुमार, दक्षिण टोला थाना अध्यक्ष सहित फोर्स मौके पर पहुंच गई। बस और ई-रिक्शा को सड़क से हटवाया गया। साथ ही घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया।

संक्षिप्त समाचार

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने किया ताज का दीदार...45 मिनट बिताए, फोटो शूट कराया

डोनाल्ड ट्रंप जूनियर ने बृहस्पतिवार को ताजमहल का दीदार किया। इस दौरान उनकी सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम रहे।अमेरिकी राष्ट्रपति के बेटे जूनियर

डोनाल्ड ट्रंप ने बृहस्पतिवार को परिवार के साथ ताज का दीदार किया। गाइड नितिन कुमार ने जूनियर ट्रंप को ताजमहल के इतिहास और पच्चीकारी के बारे में जानकारी दी।जूनियर डोनाल्ड ट्रंप ने करीब 45 मिनट ताज पर बिताए। जूनियर ट्रंप सेन्ट्रल ने टेंक स्थित डायना सीट पर फोटो शूट कराए। जूनियर ट्रंप उदयपुर में होने वाली शाही शादी में सम्मिलित होने भारत आए हैं। जूनियर ट्रंप की सुरक्षा में सीआईएसएफ, ताज सुरक्षा पुलिस के आलावा अन्य एजेंसियां तैनात रहीं।

थ्रेसर पलटने से कक्षा नौ के छात्र की मौत, परिजन में मचा कोहराम

थ्रेसर पलटने से कक्षा नौ के छात्र की जान चली गई। किशोर थ्रेसर के ऊपर बैठा था। परिजनों ने ट्रैक्टर मालिक पर जबरन साथ ले जाने का आरोप लगाया।बिधूना थाना क्षेत्र के एक गांव में अचानक थ्रेसर पलटने से ऊपर बैठा किशोर नीचे गिरकर दब गया। हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल किशोर को तिर्वा मेडिकल कॉलेज ले गए, वहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

परिजन ने ट्रैक्टर मालिक पर जबरन ले जाने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है। किशोर कक्षा नौ का छात्र था। उसकी मौत के बाद परिजन में कोहराम मच गया।गांव हरदू निवासी किसान प्रकाश चंद्र राठौर का 15 वर्षीय बेटे विकास को बुधवार सुबह गांव का ही एक ट्रैक्टर मालिक कुंवरपुर ले गया था। वहां खेत पर काम करने के बाद देर शाम करीब छह बजे घर जा रहे थे। इस दौरान किशोर थ्रेसर के ऊपर बैठा था, तभी अचानक थ्रेसर पलट गया। किशोर नीचे गिरकर थ्रेसर में दबकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मां सुधा देवी व अन्य परिजन उसे तिर्वा मेडिकल कॉलेज ले गए। देर रात उपचार के दौरान किशोर ने दम तोड़ दिया। इससे परिजन में कोहराम मच गया।बृहस्पतिवार को सुबह परिजन ने ट्रैक्टर चालक पर जबरन ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस को सूचना दी। थाना पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची। जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। किशोर कक्षा नौ का छात्र था। मृतक दो भाई और चार बहनों में सबसे छोटा था। मौत की जानकारी के बाद परिवार का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। सीओ पुनीत मिश्रा ने बताया कि परिजन की तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। शव का पोस्टमार्टम कराया गया है।

अंशू...रजाई जल गई है: रात को फोन-सुबह मौत की खबर, मेरठ में आग से जले हेड कांस्टेबल विभोर की दर्दनाक कहानी

अंशूरजाई जल गई है- रात को फोन-सुबह मौत की खबर, मेरठ में आग से जले हेड कांस्टेबल विभोर की दर्दनाक कहानीअंशू, मेरी रजाई में किसी कारणवश आग लग गई है। रजाई पूरी तरह से जल गई है, कल रजाई भिजवा देना। मैं बिल्कुल ठीक हूं। यह बातें मंगलवार की रात मेरठ के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के शर्मा नगर में रह रहे हेड कांस्टेबल विभोर कुमार ने अपनी पत्नी अंशू से रात लगभग नौ बजे फोन पर कही थी। उन्होंने कहा था कि जितनी जल्दी हो सके, कल रजाई भिजवा देना। उक्त बातों को याद कर उनकी पत्नी और परिवार के अन्य सदस्य बार-बार रो रहे थे। चचेरे भाई विशाल ने बताया कि विभोर वर्ष 2011 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे और वर्तमान में मेरठ में तैनात थे। मंगलवार की रात करीब नौ बजे उन्होंने पत्नी अंशू को कॉल कर आग लगने की जानकारी दी थी, लेकिन आग कैसे लगी, यह नहीं बताया।गुरुवार शाम पोस्टमार्टम के बाद विभोर का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव नाला लाया गया। गांव में गमगीन माहौल के बीच शामली और मेरठ पुलिस ने संयुक्त रूप से गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद शमशान घाट पर उनके छह वर्षीय पुत्र शिवांश ने नम आंखों से पिता को मुखाग्नि दी। पीड़ित परिवार को हर कोई सांत्वना दे रहा था।भाई सेना में है तैनात- मृतक के पिता जयकुमार सिंह ने बताया कि विभोर की मेरठ साकेत निवासी पहली पत्नी की एक साल पूर्व मौत हो गई थी। इसके बाद विभोर की शादी दिल्ली की धौलाकुआं की रहने वाली अंशू से हुई थी। पहली पत्नी से विभोर को दो बच्चे हैं। छह साल का बेटा शिवांश और आठ साल की बेटी वर्णिठा। उनके दो छोटे भाई निखिल और आशीष भारतीय सेना में सिपाही के पद पर तैनात हैं। परिजन और ग्रामीणों ने सरकार से मृतक आश्रितों को उचित मुआवजा और नौकरी देने की मांग की है। पुलिस अधीक्षक शामली एनपी सिंह ने शोक संतप्त परिवार को हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। हर सप्ताह घर आता था विभोर-पिता ने बताया कि हर सप्ताह विभोर शनिवार को घर आता था और रविवार की छुट्टी के बाद सोमवार को ड्यूटी पर चला जाता था। 15 नवंबर को वह घर पर आया था और 17 नवंबर को फिर ड्यूटी के लिए चला गया। हर किसी को ईमानदारी का पाठ पढ़ाता था- ग्रामीणों का कहना है कि विभोर जब भी गांव में आता था, ग्रामीणों और आसपास के लोगों को सदा ईमानदारी और मदद करने का पाठ पढ़ाता था। पढ़ाई में होशियार होने के कारण वह पूर्व में कई प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा था। फोरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य -कमरे में आग लगने से हेड कांस्टेबल विभोर की मौत की सूचना पर फोरेंसिक टीम व आला अधिकारी मौके पर पहुंचे थे। फोरेंसिक टीम को हेड कांस्टेबल के फोल्डिंग के पास एक खाली पव्वा पड़ा मिला। पास में ही एक पानी की बोतल भी मिली। अंतिम विदाई देकर शव परिजनों को सौंपा -हेड कांस्टेबल विभोर के पिता जयकुमार सिंह, भाई आशीष,मेरठ पहुंचे। पोस्टमार्टम के बाद हेड कांस्टेबल के शव को पुलिस लाइन मे अधिकारियों ने नम आंखों से अंतिम विदाई दी और शव परिजनों को सौंप दिया।

पुजारी का था शादीशुदा साली से अफेयर... महिला के पति ने दो रिश्तेदारों संग मार डाला; इसलिए की मंदिर में लूट

उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले में हुई साईं मंदिर के पुजारी की हत्या में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। सगे भाई के दो रिश्तेदारों और साढ़ू ने मिलकर पुजारी का कत्ल किया था। आरोपी वारदात को लूट जैसा दिखाने के लिए मुकुट, मोबाइल और डीवीआर भी ले गए। बदायूं में साईं मंदिर के पुजारी की हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके भाई के दो रिश्तेदारों और साढ़ू ने मिलकर की थी। घटना के पीछे भाई की साली से अवैध संबंध सामने आए हैं। पुलिस टीम ने 48 घंटों में घटना का खुलासा करते हुए एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह के सामने आरोपियों को पेश किया। जहां पुलिस लाइन सभागार में रात आठ बजे खुलासा किया गया। पुलिस ने आरोपियों के पास से मंदिर से लूटे गए दो चांदी के मुकुट व डीवीआर व बाइक भी बरामद की है। थाना सिविल लाइंस क्षेत्र के खेड़ा बुजुर्ग स्थित सर्वेश्वर साईं मंदिर में 16 नवंबर की रात पुजारी मनोज शंखधार की गमछे से गला घोटकर हत्या कर दी गई थी। मंदिर से दो चांदी के मुकुट व सीसी कैमरे की डीवीआर हत्यारे अपने साथ ले गए थे। एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने घटना के खुलासे में एसओजी, सर्विलांस और थाना सिविल लाइंस समेत की चार टीमों का गठन किया था। एसएसपी ने बताया कि आरोपियों से पूछताछ में सामने आया कि विशेष और नीतेश की बहन की शादी मृतक के बड़े भाई प्रदीप शर्मा से हुई थी। बहन की मौत हो जाने के बाद पुजारी मनोज का उनकी दूसरी अविवाहित बहन से प्रेम संबंध हो गया था, लेकिन परिवार ने उसकी शादी उसावां थाना क्षेत्र के गांव मंला नगला निवासी हिमांशु के साथ 2019 में कर दी। शादी के बाद भी मनोज का संपर्क साली से बना रहा, जिसके चलते हिमांशु और उसकी पत्नी के बीच विवाद गहराने लगा। पत्नी ने पति के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मामला दर्ज करा दिया पर मनोज से संबंध बनाए रखे। परिजनों और रिश्तेदारों ने मामले में समझौता कराया तो हिमांशु अपनी पत्नी के साथ रहने लगा। इस बीच उसके दो बेटियां भी हुईं। इसके बाद भी पुजारी मनोज व साली का प्रेम संबंध खत्म नहीं हुआ। हिमांशु के पांच साले हैं। छोटे साले उसका पक्ष कर रहे थे, जबकि बड़े साले इस मामले से दूरी बनाए हुए थे। उसने अपने साले विशेष व नीतेश से मनोज की हत्या की योजना बनाई। योजना के तहत 16 नवंबर की शाम नीतेश मंदिर में मनोज के पास पहुंच गया। दोनों ने साथ-साथ खाना खाया और साथ ही सो गया। रात करीब 1-45 बजे विशेष और हिमांशु बाइक से मंदिर पहुंचे। नीतेश ने गेट खोला और तीनों ने मिलकर गमछे से गला घोटकर हत्या कर दी। वारदात को लूट जैसा दिखाने के लिए मुकुट, मोबाइल और डीवीआर भी ले गए। यह हैं तीनों आरोपी- शाहजहांपुर के परौर के रहने वाले विशेष कुमार उर्फ छोटू, नीतेश कुमार सगे भाई हैं। दोनों ही मृतक पुजारी मनोज के भाई प्रदीप के सगे साले हैं। उसावां थाना क्षेत्र के गांव मंश नगला के रहने वाले हिमांशु प्रदीप का साढ़ू है। इन्हीं की पत्नी से मृतक मनोज के अवैध संबंध थे। तीनों पर एसएसपी ने किया था 25-25 हजार का इनाम घोषित- आरोपियों पर एसएसपी ने 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस ने तीनों को 19 नवंबर को नई जेल की चिन्हित भूमि (बिल्सी रोड) के पास से गिरफ्तार किया। हत्या करने के बाद मंशा नगला पहुंचे तीनों- पुजारी की हत्या करने के बाद तीनों आरोपी हिमांशु के घर मंश नगला पहुंचे। वहां पहने हुए कपड़ों को जला दिया और दूसरे कपड़े पहन लिए। डीवीआर को भी आग के हवाले कर दिया। परिवार के लोगों को थी जानकारी, पुलिस को नहीं बताया राज- परिवार के लोगों को घटना की पूरी जानकारी थी, लेकिन पुलिस को कोई जानकरी परिवार के लोगों ने नहीं दी। इसके बाद भी पुलिस ने 48 घंटे में हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें सबसे अधिक सीसी कैमरों की मदद मिली है।

लकड़ी लदे चार ट्रक पकड़े, जीएसटी चोरी की आशंका, रामपुर से हरियाणा जा रहे थे सभी वाहन

राज्य कर विभाग की टीम ने चेकिंग के दौरान लकड़ी से भरे चार ट्रकों को पकड़ा है। संदेह है कि जीएसटी चोरी कर लकड़ियों को ले जाया जा रहा था। राज्य कर विभाग की टीमों ने मंगलवार देर रात कांठ रोड और लखनऊ-दिल्ली हाईवे पर चेकिंग अभियान चलाते हुए लकड़ी से भरे चार ट्रकों को जीएसटी चोरी के संदेह में पकड़ लिया है। पूछताछ में चालकों ने बताया कि चारों ट्रक रामपुर से हरियाणा की ओर जा रहे थे।अधिकारियों को आशंका है कि बोगस फर्मों के जरिये आईटीसी ट्रांसफर कर जीएसटी चोरी की जा रही थी। राज्य कर के अपर आयुक्त ग्रेड-1 अशोक कुमार सिंह के निर्देश पर यह विशेष अभियान चलाया गया। मोबाइल दस्ते की चेकिंग के दौरान देररात चार ट्रक कांठ रोड की ओर से आते दिखाई दिए जिन्हें रोककर दस्तावेज मांगे गए।जांच में मालूम चला कि पकड़ गए ट्रकों में ठाकुरद्वारा क्षेत्र के व्यवसायियों का भी माल शामिल है। अधिकारियों का कहना है कि लकड़ी कारोबार से जुड़े कई व्यापारी फर्जी फर्में बनाकर आईटीसी ट्रांसफर कर रहे हैं ताकि आई-जीएसटी के माध्यम से सरकार से अवैध रूप से रकम वापस ली जा सके। इससे पहले भी सीतापुर से हरियाणा जा रहे तीन ट्रक पकड़े गए थे। राज्य कर विभाग ई-वे बिल और अन्य दस्तावेजों के आधार पर संबंधित फर्मों की पूरी हिस्ट्री खंगाल रहा है। संभावना है कि बृहस्पतिवार तक यह स्पष्ट हो जाएगा कि इनमें कितनी फर्में असली हैं और कितनी बोगस। ठाकुरद्वारा-रामपुर में भी छानबीन कर रहे अफसर- कई महत्वपूर्ण इनपुट मिलने के बाद राज्य कर के अधिकारी ठाकुरद्वारा और रामपुर में भी छानबीन कर रहे हैं। मालूम हो कि जुलाई के महीने में भी राज्य कर विभाग ने व्यापक अभियान चलाकर 1300 करोड़ रुपये का टर्नओवर और लगभग 200 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी को पकड़ा था। अधिकारियों का कहना है कि गिरोह का पूरा नेटवर्क सामने आने तक हाईवे और मुख्य मार्गों पर इस तरह की रैंडम चेकिंग जारी रहेगी।

मां का आंचल भी न दे सका सुकून... हालात से घबराए राहुल ने दे दी जान; सुसाइड से पहले व्यापारी ने कहे ये शब्द

गोरखपुर में सराफा व्यापारी ने आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से कुछ घंटे पहले व्यापारी अपनी मां के पास गया था, उनका हाल पूछा था। वहीं, व्यापारी के कक्षा छह में पढ़ने वाले बेटे ने कई खुलासे किए हैं।सोने-चांदी के काम में मंदी, बढ़ता कर्ज और पारिवारिक

राहुल वर्मा (40) ने आत्महत्या कर ली। आत्मघाती कदम उठाने से कुछ घंटे बेटे से यह आखिरी मुलाकात है। राहुल ने कहा था कोई बात नहीं मां, परेशान मत मोहल्ला सन्न है और परिवार बदहवास। परिजनों का कहना है कि राहुल कई महीने था। बड़े भाई राजू वर्मा ने बताया कि राहुल और उनके पिता गांव-गांव जाकर के बढ़ते दाम के चलते व्यवसाय भी लगभग ठप हो गया था। धीरे-धीरे आर्थिक कदम न उठा ले। हमने जमीन बेचकर करीब पांच लाख रुपये कर्ज चुकाया भी, वह डिप्रेशन में रहने लगा था। वह अक्सर सोशल मीडिया पर दिल की बातें शेयर परेशान रहता था। सोमवार शाम को भी वह घर आया था। मां से बातचीत कर सुसाइड की सूचना आई। बुधवार को पुलिस सराफा व्यवसायी के घर पहुंची जहां ने बताया कि परिजनों और आसपास के लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। जांच करते थे झगड़ा- राहुल की पत्नी माया परतावल में संविदा शिक्षक है। माया ने बताया कि राहुल रात दो बजे तक उसके पास था। सुबह दूसरे कमरे में फंदे से लटका राहुल का शव मिला। वह शराब पीकर झगड़ा करता था और मुझसे नौकरी छोड़ने के लिए कहता था। पत्नी के मुताबिक राहुल जून से उसे स्कूल नहीं पहुंचा रहा था जिससे वह महीनों से ड्यूटी नहीं जा सकीं। पापा अक्सर मिलने आते थे स्कूल- राहुल के 6वीं में पढ़ने वाले बेटे हर्ष ने कहा कि पापा मुझे बहुत प्यार करते थे। हर हफ्ते स्कूल में मिलने आते थे। कभी-कभी मम्मी-पापा में झगड़ा होता था। परिवार एक नियामक संस्था है जिसका मूलभूत आधार 'अंतरनिर्भरता' है। टेक्नोलॉजी से संबंधों में उपस्थित भावनात्मकता उपेक्षित हुई है। व्यक्तित्व-निर्माण, पारिवारिक मूल्यों और प्रतिमानों की जगह प्रौद्योगिकी निर्देशित ताकतों से हो रहा है। इसके साथ ही उपभोक्तावादी संस्कृति, पारंपरिक मूल्यों के क्षरण तथा बढ़ती हुई व्यक्तिवादिता ने पारिवारिक बंधनों को कमजोर किया है। परिणामस्वरूप लोगों में हताशा एवं अवसाद में वृद्धि हुई है और इस तरह की घटनाएं सामने आ रही हैं। -डॉ. दीपेंद्र मोहन सिंह, समाजशास्त्र, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय राहुल के व्यवहार में क्लासिक चेतावनी संकेत दिखाई दे रहे थे। वह मदद मांग रहा था, उसके संकेतों को गंभीरता से लेना चाहिए था। सोशल मीडिया पर आत्महत्या का जिक्र करना। अचानक घरवालों से मिलकर भावुक बातें करना। ये सभी संकेत स्पष्ट रूप से बताते हैं कि वह मानसिक रूप से संकट में था। अगर ऐसे संकेत दिखें तो तुरंत मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञ की मदद लेनी चाहिए। समय पर काउंसलिंग, दवाओं और परिवार के सहयोग से ऐसी जानें बचाई जा सकती थीं।- आकृति पांडेय, मनोचिकित्सक, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय

दिव्य दरबार आयोजित करने पहुचे पूज्य बृजबिहारी सरकार गौन्याय महोत्सव मे पहुचे 11 राज्य एवं 3 देशो से गौ भक्त- 5 दिवसीय निशुल्क गोमय प्रशिक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / प्रवीण शर्मा / रायपुर भारत में जो गौ काज करेगा, वही हृदय में राज करेगा। एवं गौ माता राज्य माता,गौ माता को राष्ट्र माता संकल्प हेतु जन जागरण अभियान मे पहुचे प्रख्यात का गौकथा वाचक पूज्यनीय जगदीश गोपालानन्द वहा छुप कर रहता हैं परम गौऋषि जिनके द्वारा पाए उनकी उपसथिति के पूर्व ही मोबाइल फ़ोन उत्साहित रहे जब दिव्य दरबार के आयोजन हेतु पहुंची रायपुर छत्तीसगढ़. ऐसी पर्ची निकाली गई किसी को भी आगे आने क़ी बात घोषित क़ी पहुचे हैं उन्ही के जीवन क़ी समस्या पर्ची मे पड़े जो गौ नाम का नहीं, वो किसी काम का नहीं। महोत्सव का भव्य आयोजन हो रहा है। तीन आयोजित हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गौ माता संवर्धन को बढ़ावा देना है। इस आयोजन में देशभर उपस्थिति विशेष आकर्षण का केंद्र बना हैं। सम्पूर्ण विनीत पोरवाल भीलवाड़ा राजस्थान से अपनी गौसैनिको क़ी कतार लगी, आशिर वचन से जिनके श्री दंडी स्वामी जी, *सिंधी समाज प्रमुख श्री अमर गिड़वानी जी एवं सर्व समाज विशिष्टाजन एवं प्रसंग गौ ऋषि एवं गौ सैनिक समागम गौ

सायं 7 बजे से 10 बजे तक आयोजित की जा रही। गौकथा का विशिष्ठ लक्ष्य रहा सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ मे गौवंश क़ी सेवा के महत्वपूर्ण का विस्तार, सेवभावी गौ संवर्धन का प्रचार एवं निकट भविष्य मे पृथक गौ मंत्रालय के 9 बिन्दुओ हेतु जागरूकता अभियान सबसे विशेष बात इस आयोजन क़ी रही क़ी इस आयोजन को किसी एक संस्था या संगठन द्वारा आयोजित नही किया गया, बल्कि सभी गौभक्तो, गौसैनिको, गौअंशो द्वारा ऐसी अद्भुत निष्काम पहल क़ी गई जो मिसाल के रूप मे देखि जा रही सर्व संगठन, सर्व समाज, सर्व सेवक/सेविकाओं द्वारा यह सत्यापित किया गया क़ी जहा सेवा हैं वहा स्वार्थ ना हो एवं जहा स्वार्थ हैं वहा सेवा कैसी. यह महोत्सव समाज में गौ माता के प्रति श्रद्धा, सेवा और संरक्षण को मजबूत करने का महत्वपूर्ण प्रयास है। आयोजन समिति ने सभी गौभक्तों से बड़ी संख्या में उपस्थित होकर इस पावन महोत्सव को सफल बनाया एवं नव प्रेरणाओ का जन्मदिन हुवा, विशेषज्ञो का दावा हैं क़ी इस आयोजन के पश्चात् सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ मे गोमय से सम्बंधित रोज़गार मे तीव्र गति से विस्तार होगा. प्रख्यात गौऋषि ने व्यास पीठ से सरकार से आग्रह किया क़ी जिस गौवंश के बिना हम सृष्टि क़ी कल्पना तक नही कर सकते ऐसी देवमई वेदलक्षणा परम कृपालु गौमाता को गौमाता घोषित कर छत्तीसगढ़ सरकार के पास सदा सदा के लिए अमर होने का सुनहरा अवसर हैं, इसे स्वीकार कर विष्णुदेव साय सरकार गोपाल सरकार बन सकती हैं. इस गौ ऋषि एवं गौ सैनिक समागम मे ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू और पूर्व विधायक रायपुर डवलमेनट से शिवाननद साहू,श्री श्री 1008 श्री सोमया दीदी व संत श्री गोतमानंद जी महाराज ने भी आकर संत दर्शन कर गो माता को राज्य माता व राष्ट्र माता बनाने की कामना कर गो माता और ननदि बाबा का भी आशीर्वाद प्राप्त किया !

लोडर से टकराई पुलिस की बोलेरो, हाथरस साइबर क्राइम थाने की टीम घायल

पुलिस की बोलेरो गाड़ी लोडर से से टकरा गई। हादसे में पुलिस टीम के सदस्य घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कराकर निजी अस्पतालों में भेज दिया

गया।अलीगढ़ के मडराक थाना क्षेत्र में हाईवे पर 20 नवंबर तड़के दबिश देने जा रही हाथरस की साइबर क्राइम थाना पुलिस की बोलेरो गाड़ी लोडर से टकरा गई। हादसे में साइबर क्राइम थाने के प्रभारी समेत टीम के अन्य सदस्य घायल हो गए। घायलों का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर प्राथमिक उपचार कराया गया। जिसके बाद उन्हें निजी अस्पताल में ले जाया गया। हाथरस साइबर क्राइम थाना प्रभारी आशीष कुमार के नेतृत्व में एक टीम 20 नवंबर सुबह करीब चार बजे हाईवे पर सरकारी बोलोरो गाड़ी से जा रही थी। तभी सामने से आ रहे लोडर ने गाड़ी में टक्कर मार दी । हादसे में बोलेरो सवार थाना प्रभारी आशीष कुमार समेत टीम के अन्य सदस्य भी घायल हो गए। इलाका पुलिस ने सभी घायलों को पहले सीएचसी मडराक में भर्ती कराया। उसके बाद घायलों को निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार जारी है। पूरे मामले की अभी जानकारी जुटाई जा रही है।ये हुए घायल साइबर सेल प्रभारी आशीष कुमार हेड कांस्टेबल सुमित कुमार कांस्टेबल ललित कुमारआरक्षी चालक ओमवीर यादव मुजरिम संजय राणा

आईएस से जुड़े छात्रों पर एएमयू ने आज तक नहीं की कार्रवाई, इस पर इंतजामिया बोली यह

सबसे पहले एनआईए ने झारखंड के लोहरदगा में एएमयू के बीए के छात्र फैजान की गिरफ्तारी की। इसके बाद क्रमवार जब गिरफ्तारी हुईं तो एएमयू के छात्र संगठन सामा (स्टूडेंट्स ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) का नाम सामने आया। जिस पर यूपी एटीएस ने मुकदमा दर्ज कर आगे कुल ग्यारह की गिरफ्तारी हुईं। जिन पर अलग अलग चार्जशीट दी गईं।आतंकियों के पनाहगाह के रूप में चर्चित अलीगढ़ पर बेशक इन दिनों एजेंसियों की नजर टिकी है। मगर डेढ़ वर्ष पहले पकड़े गए एएमयू से जुड़े आईएस मॉड्यूल पर एएमयू इंतजामिया की प्रतिक्रिया आज भी पर्दा डालने सरीखी है। एजेंसियों द्वारा गिरफ्तार किए गए एएमयू छात्रों पर चार्जशीट तक चली गई। अदालत में जल्द ट्रायल शुरू होने के संकेत हैं। मगर एएमयू इंतजामिया अभी तक सिर्फ एक आरोपी को अपना छात्र स्वीकारती है। मगर कार्रवाई के नाम पर वही रटा हुआ जवाब मिलता है कि उन्हें आज तक कोई लिखित सूचना नहीं मिली। ऐसे में कार्रवाई का मतलब नहीं बनता।एक वर्ष पहले एजेंसियों के स्तर से जो गिरफ्तारियां की गई थीं, उनमें सिर्फ लोहरदगा से पकड़ा गया फैजान हमारा छात्र स्पष्ट हुआ था। बाकी अर्सलान, माज, वजीउद्दीन, फराज आदि पूर्व छात्र थे। वे एएमयू छोड़ चुके थे। इसलिए हमारे स्तर से कोई कार्रवाई नहीं बनती। रहा सवाल फैजान पर कार्रवाई का तो आज तक किसी एजेंसी ने हमें लिखित में कोई सूचना उसके किसी अपराध या पकड़े जाने के विषय में नहीं दी। ऐसे में हम किस आधार पर मान लें कि वह किसी अपराध में शामिल था। इसलिए कार्रवाई नहीं की गई। -प्रो.वसीम अली प्रॉक्टर, एएमयू ये हुए गिरफ्तार- जुलाई 2023 में झारखंड लोहरदगा से एनआईए ने एएमयू छात्र फैजान अंसारी को गिरफ्तार किया। दिल्ली जेल में। अक्तूबर 2023 में फैजान के बाद इसी इनपुट पर मुरादाबाद से मो.अरशद वारसी पूर्व एमटेक छात्र को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली जेल में। नवंबर में अलीगढ़ से ही अब्दुल्ला अर्सलान व माज बिन तारिक दोनों पूर्व छात्र को गिरफ्तार किया गया। लखनऊ जेल में। नवंबर 2023 में ही छत्तीसगढ़ के दुर्ग इलाके से अलीगढ़ में कोचिंग संचालक एएमयू के पूर्व रिसर्च स्कॉलर छात्र वजीहउद्दीन को गिरफ्तार किया गया। दिल्ली जेल में। नवंबर 2023 में ही एएमयू बीटेक छात्र राकिब इमाम अंसारी को भदोसी से, संभल से बीएससी छात्र नावेद सिद्दीकी, उसके दूसरे साथी मो.नाजिम पकड़ा। लखनऊ जेल में। दिसंबर 2023 में अलीगढ़ से ही एएमयू के पूर्व छात्र आमस उर्फ फराज को गिरफ्तार किया गया। लखनऊ जेल में। दिसंबर 2023 में ही अब्दुल समद मलिक नाम का एक पूर्व छात्र कोर्ट में सरेंडर कर खुद ही जेल गया था। लखनऊ जेल में। जनवरी 2024 में प्रयागराज से एएमयू के एमएसडब्ल्यू छात्र फैजान बख्तियार को गिरफ्तार किया। लखनऊ जेल में। ऐसे शुरू हुआ था गिरफ्तारी का क्रम- सबसे पहले एनआईए ने झारखंड के लोहरदगा में एएमयू के बीए के छात्र फैजान की गिरफ्तारी की। इसके बाद क्रमवार जब गिरफ्तारी हुईं तो एएमयू के छात्र संगठन सामा (स्टूडेंट्स ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) का नाम सामने आया। जिस पर यूपी एटीएस ने मुकदमा दर्ज कर आगे कुल ग्यारह की गिरफ्तारी हुईं। इन गिरफ्तारियों के बाद मूल रूप से देहरादून के एएमयू के पूर्व छात्र आईएस के भारतीय चीफ हरीश फारूकी को पिछले वर्ष असम से दबोचा गया था। यह तो स्पष्ट नहीं हुआ कि वह एएमयू में कब और कहां तक पढ़ा है। जांच में साफ हुआ है कि वह व्हाट्सएप ग्रुप के जरिये सामा नामक छात्र संगठन से जुड़ा था। वह नए छात्रों को जुड़वाता था और अलीगढ़ मॉड्यूल्स को ऑपरेट करते हुए देश विरोधी गतिविधियों को संचालित करता था। इसी क्रम में आईएस पर काम करते हुए एजेंसियों की नजर में एएमयू छात्रों के संगठन सामा (स्टूडेंट्स ऑफ अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी) का नाम आया। सभी आरोपी जेल में हैं। जल्द ट्रायल के संकेत हैं। मगर एएमयू स्तर से कार्रवाई के नाम पर चुप्पी है।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा एसएसबी भिनगा में सेक्सुअल हरासमेंट विषय पर जागरूकता कार्यशाला का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती अमरेंद्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के नेतृत्व में वाहिनी मुख्यालय भिनगा के सभागार में

सेक्सुअल ह्रासमेंट से संबंधित जागरूकता कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर गुलिशता कम्युनिटी डेवलपमेंट कमेटी की श्रीमती गुलशन जहां एवं उत्तर प्रदेश पुलिस की उप निरीक्षक पुष्प लता ने विशेष रूप से उपस्थित होकर वाहिनी में कार्यरत महिला एवं पुरुष बल कर्मियों को सेक्सुअल ह्रासमेंट, उससे जुड़े कानूनी अधिकार, रोकथाम, शिकायत प्रक्रिया एवं आत्म-सुरक्षा उपायों की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य महिला बल कर्मियों में जागरूकता बढ़ाना और उन्हें सुरक्षित एवं सम्मानजनक कार्य वातावरण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराना था। कार्यक्रम में महिला बल कर्मियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया तथा विषय विशेषज्ञों से संवाद भी किया। 62वीं वाहिनी एसएसबी द्वारा ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन समय-समय पर कर बल कर्मियों के सशक्तीकरण एवं जागरूकता को निरंतर बढ़ावा दिया जाता है।

देहात इंडिया ने 100 दिवसीय बाल विवाह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच /प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के जमुनहा स्थित कोदिया गांव में देहात इंडिया संस्था ने 100 दिवसीय बाल विवाह रोक थाम अभियान चलाया। इस अभियान के तहत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीण महिलाएं, बच्चे और समुदाय के सदस्य शामिल हुए। कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्परिणामों, बच्चों के अधिकारों और सुरक्षित भविष्य के लिए शिक्षा के महत्व पर विस्तृत चर्चा की गई। इसका उद्देश्य समुदाय को बाल विवाह के प्रति जागरूक करना था। समुदाय की ओर से आशा सरोज सिंह तथा आंगनबाड़ी पम्मी सिंह ने सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने लोगों को बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी। देहात इंडिया की टीम से मोहम्मद इमरान , मोहम्मद यूसुफ,सारजन वर्मा, श्रीपाल, सरोज देवी और सरोज पटेल भी मौजूद रहे, जिन्होंने ग्रामीणों को बाल विवाह रोकने में समुदाय की भूमिका और कानूनी प्रावधानों से अवगत कराया। स्थानीय लोगों ने इस पहल की सराहना की और अपने गांव को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया। यह सफलतापर्वक संपन्न हुआ।

अज्ञात वाहन ने गाय के बच्चे को मारी ठोकर

क्यूँ न लिखूँ सच / अरविन्द कुमार यादव / श्रावस्ती जमुनहा बहराइच मार्ग पर पेट्रोल पंप के पास अज्ञात वाहन ने गाय के

बच्चे को मारी ठोकर। भारतीय हिंदू परिषद गौ रक्षा दल के पदाधिकारी जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रेमचंद जायसवाल तथा तहसील उपाध्यक्ष बिरेंद्र कुमार वर्मा ने पहुंचकर। देखा कि गाय की बछिया घायल अवस्था में पड़ी थी। तब उन्होंने तत्काल प्रभाव से पशुचिकित्सा अधिकारी मल्हीपुर सुनील कुमार यादव से पूरी जानकारी दी। उन्होंने तत्काल प्रभाव से अपने कर्मचारी को भेज कर ईलाज किया। इसके बाद सुरक्षित गौशाला पहुंच वाया गया जहां उसकी हालत ठीक है।

5 Winter Office Styling Tips for a Professional and Stylish Look

Do you think it's impossible to look stylish in winter? If so, you should learn some winter styling tips that will help you enhance your office look. Choosing the right fabric and color can be a great way to enhance your look. Layering is also crucial. Choosing the right clothing can keep you both warm and stylish in winter. Proper layering enhances your look. Choosing the right accessories can enhance your look. During winter, we often overload ourselves with warm and heavy clothing and often think that styling them is difficult, but that's not true. We can keep ourselves warm and look stylish (Winter Office Styling Tips). By choosing the right clothing and using smart planning, you can achieve a professional, comfortable, and trendy office look even in winter. Let's learn 5 easy and effective office styling tips for winter. Layer smartly - Smart layering is crucial in winter, but be careful not to overdo it. First, wear a lightweight thermal or fitted top. Add a shirt, sweater, or high-neck tee over it. Finally, wear a woolen blazer or trench coat. This layering will keep you warm and create a clean, structured, professional look. Monochrome layering makes for a more stylish look. Invest in neutral woolen blazers. A good woolen blazer can upgrade your entire office wardrobe in winter. Neutral colors like camel, gray, black, navy, and beige complement every outfit and give you a professional aura. A blazer can be paired with trousers, a skirt, or a formal dress. If desired, opt for an oversized blazer. It's trendy and provides great comfort in winter. Choose stylish boots that offer comfort. Footwear selection is crucial during winter. Ankle boots, block-heeled boots, or knee-length boots are great options for the office. They keep your feet warm and add an instant stylish touch to your outfit. Finishes like leather or suede add elegance to your office look. Try choosing basic colors like black and brown so you can match them with many outfits. Make Knitwear Your Style Friend: Knitwear is a very useful fashion element in winter. Fine knit sweaters, turtleneck tops, and knitted dresses are perfect for the office. If you're wearing a fitted knit, pair it with straight-fit trousers, and if you choose an oversized knit, a pencil skirt or tailored pants will look better underneath. Colors like pastel, beige, moss green, and burgundy are especially trendy in knits this season. Keep accessories minimal. Accessorizing is crucial to making any look stylish. Woolen scarves, mufflers, leather gloves, and a classy handbag complete your winter office look. A neutral scarf or statement brooch can instantly elevate any basic outfit. Just be careful not to overdo the accessories, as minimal accessories are the most elegant addition to a winter look.

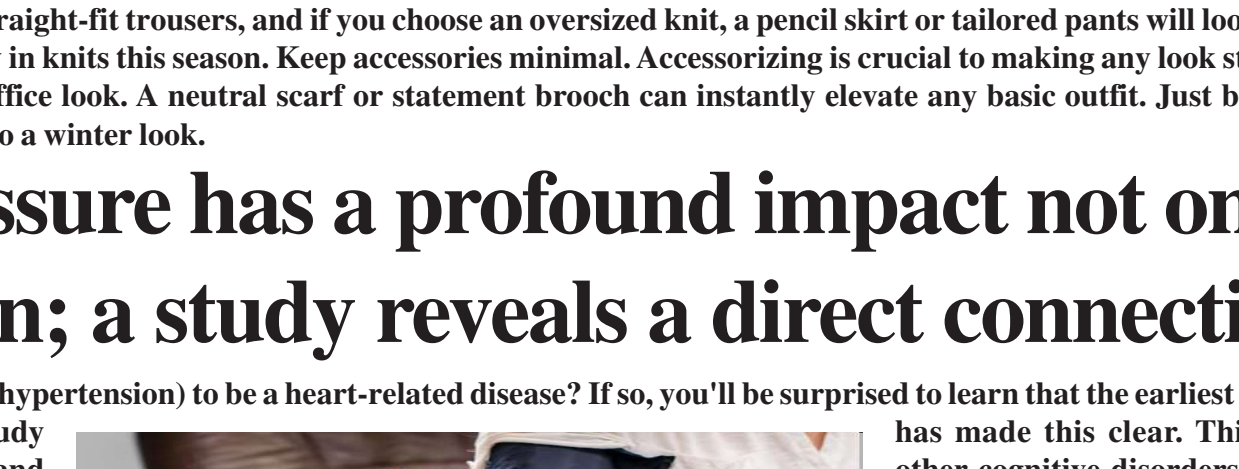

High blood pressure has a profound impact not only on the heart but also on the brain; a study reveals a direct connection to Alzheimer's.

Do you also consider high blood pressure (hypertension) to be a heart-related disease? If so, you'll be surprised to learn that the earliest and most direct impact of high blood pressure is on the brain, not just the heart. Yes, a new study has made this clear. This research explains why high blood pressure is considered a major cause of Alzheimer's and other cognitive disorders. High blood pressure first affects the brain. This damage occurs at the level of gene expression, impacting the ability to think and remember. High blood pressure, or hypertension, is often linked to heart disease, but a new study has revealed that its effects extend beyond the heart, directly to the brain—much earlier than previously believed. This study explains why high blood pressure is considered a major cause of intellectual disorders like Alzheimer's. Why the early impact on the brain? Researchers at Weill Cornell Medicine found that hypertension triggers very early changes in brain cells. These changes occur at the level of gene expression—which controls how cells function. When these genes become abnormally active, the ability to think, learn, and remember is affected. This is why people with chronically elevated blood pressure have a 1.2 to 1.5-fold increased risk of intellectual disorders compared to normal individuals. Changes visible in just three days—The team of Dr. Anthony Pacholko, who led the study, uncovered an interesting fact: key brain cells begin to show signs of damage just three days after the onset of hypertension. The researchers examined its effects on the brain in three phases: before the increase in blood pressure, three days after, and 42 days after. Gene expression changes began to appear in three key cell types on the third day. These are the same cells that keep the brain active, process information, and manage intellectual capacity. The blood-brain barrier also begins to weaken. The study revealed another worrying finding: the blood-brain barrier also begins to weaken in the early stages. This barrier acts as a protective shield, preventing harmful particles from reaching the brain. Weakening not only puts cells under stress but can also lead to serious neurological problems in the long term. Interneurons are most severely affected. Research has found that hypertension particularly impacts interneuron cells. These cells connect different parts of the brain and help them function as a team. When these cells are damaged, brain activity slows down—the same changes seen in diseases like Alzheimer's. Hope for new medicines in the future: The most significant feature of this research is that it could pave the way for the development of medicines that not only control blood pressure but also protect the brain from early brain damage. This means it can help protect not only your heart but also your overall mental health. This study sends a clear message: don't take hypertension lightly. It's not just a number, but a vital indicator of brain health. The sooner blood pressure is brought under control, the longer your brain can remain healthy.

Does your pocket get tight during your travels? These 5 smart travel tips will help you save money.

Who doesn't love to travel? But whenever you set out on a trip, there's always the fear of losing your budget. It feels as if the money in your pocket vanishes. If you're also troubled by this problem and want to make your next trip more pocket-friendly, these 5 smart travel tips are especially for you. The first thing that comes to mind when you think of traveling is exploring new places and trying delicious food. But there's another worry: expenses. Yes, people often complain that their budget gets stretched thin during a trip and their pockets get drained quickly. But worry no more, because enjoying a trip doesn't require spending all your savings. With a little planning and some smart tricks, you can save a significant amount of money. Let's explore 5 smart travel tips that will save you money and make your trip even more enjoyable. Book during the off-season. This can save you 30% to 50% on both flights and hotels. Furthermore, When everyone is on vacation (like festivals or summer vacations), hotel and flight prices skyrocket. This is called peak season. If you really want to save money, book during the off-season. This can save you 30% Thursday) often offers good discounts. Use local traveling during the middle of the week (Tuesday to in a new place is easy, but it can be a burden on transportation - Booking a cab or taxi to get everywhere are not only cheaper but also give you a chance your pocket. Instead, use the local bus or metro. These cities offer "day passes" or "weekly passes," to get to know the culture and people of the place. Many multiple trips. Enjoy street food instead of which are cheaper than purchasing a single ticket for restaurants that are specifically designed for tourists and therefore tend to be more expensive. A great way to save money is to try local street food or eat at small shops frequented by locals. These are not only cheaper but also offer authentic and traditional flavors of the place. If the hotel has a kitchen, consider preparing breakfast yourself, as this can also save a lot. Use travel credit cards and loyalty points - Do you frequently fly or stay in hotels? You should invest in a credit card or airline/hotel loyalty program that offers travel points. By accumulating these points, you can earn a free flight ticket or a free hotel stay on your next trip. Before starting your trip, find out what offers or discounts are running on your card, this can double your savings. Avoid unnecessary shopping While travelling, we often get tempted by seeing new things and end up making unnecessary purchases. Buying 'souvenirs' from every shop can quickly empty your pocket. Set a budget for shopping and buy only those things which you really need or which are the most special feature of that place.

Cardi B becomes a mother for the fourth time, gives birth to her first child with her second partner

Cardi B has begun a new chapter in her life. She welcomed her first child with her partner and NFL star Stefon Diggs. Singer Cardi B, who has become a mother for the fourth time, gave birth to her first child with her husband in 2014. Los Angeles, April Cardi B has given birth to a child partner and NFL star Stefon Diggs. fans, the singer shared a video on her the video, she is seen dressed in all her new album "Am I the Drama?" caption, the 33-year-old singer child. The singer wrote, "My life has chapter was the beginning of a new easy, but it has been worth it." She music and a new album to the and another reason to be the best to love myself more than anything children the love and life they chapter" will be about focusing on further said that she loves the next chapter is me vs. me! It's me everything that comes my way. I've heal my body and mind. Nothing the most memorable performance of healed, and I love the woman I've phase means to me, and I'm stepping rapper also has three daughters with her ex-husband, Offset, named Kulture and Blossom, and a son, Way. Now Cardi B has given birth to her first child with her second partner.

second partner. She divorced her 25 (IANS) American rapper for the fourth time with her Sharing the happy news with Instagram handle on Friday. In black, with the song "Hello" from playing in the background. In the confirmed the birth of her fourth had many ups and downs. My last season. Starting afresh is never wrote in the caption, "I bring new world!" A new baby in my world, version of myself, another reason or anyone else so I can give my deserve. She said the "new herself and becoming better. She woman she has become. "This facing every challenge, facing started preparing for the tour to can stop me from giving you guys a lifetime! I've learned that I'm become! That's what this next into it better than ever." The

"Men are mean..." Kelly Brook reveals the real reason for her marriage breakdown

English actor-model Kelly Brook recently revealed the reason for her split from her ex-partner Jason. She said that she used to care more about people than herself, but now she has become selfish. Kelly Brook reveals cares about anyone. English actor and actor Kelly Brook has finally Jason Statham ended. She explained 2004. She admitted that she felt which led to her "losing love for 58-year-old film star in 1997 and the in a new episode of 'How to Fail' with romance ended. Talking about how she used to be a people-pleaser and Celebrity Get Me Out of Here!' anymore," Kelly Brook added. "I with everyone, be there for for me, so unfortunately, as I've about anyone anymore." Kelly since 2015. Jason fell in love with 2010. They are now engaged and are parents to eight-year-old Jack and three-year-old Isabella. Kelly fumed, "Men are just awful. He and Rosie got back together and I haven't spoken to him since."

the reason for her marriage breakdown. She no longer Kelly will marry Jeremy Parisi in 2022. English model revealed why her seven-year relationship with actor what led to their separation. They were engaged in ignored when his Hollywood career began to flourish, him." The 45-year-old former model began dating the two were even engaged before splitting in 2004. Now, Elizabeth Day, Kelly revealed in detail how their she's changed as she's gotten older, she admitted that didn't prioritize herself. Kelly is set to enter the 'I'm a jungle on Sunday. "I don't care about anyone used to be a people-pleaser and wanted to be friends everyone, and not prioritize myself. That didn't work gotten older, I've become more selfish and I don't care married Jeremy Parisi in 2022; they had been together Victoria's Secret model Rosie Huntington-Whiteley in

This new web series became a must-watch upon its release on Netflix, with a thrilling six-episode story.

A new web series has recently been released on the popular OTT platform, Netflix. Six episodes of this thrilling series have become a must-watch and are being widely discussed. This web series is creating a buzz on Netflix. The story of these six episodes will leave you spellbound. The Netflix series' story is based on this issue. Fans are increasingly eager to watch the latest releases on OTT, as well as in theaters. Everyone seems excited about a new film or web series. Recently, a new web series was released on the popular OTT platform, Netflix, which has impressed everyone with its thrilling six-episode story. This series tackles a serious topic in the world of crime that will surprise everyone. The situation is such that this web series has become a must watch as soon as it came on Netflix. Let us know which series is being talked about here. This web series is trending on Netflix - Every weekend it is seen that new web series or films are released on the OTT platform Netflix. Something similar has been seen this time too. On November 13, a 6 episode series has been streamed online on Netflix. This is a crime thriller web series, in which the police is busy searching for a woman who traffics minor girls. That criminal lady spies on these girls for the prostitution business in the country and abroad. She runs this from Delhi-NCR, in which many other people are also involved with her. The Delhi Police hatches a conspiracy to capture this dangerous criminal. To find out whether she ultimately falls into police custody or manages to fool the administration, you'll have to watch the web series Delhi Crime Season 3. The last two seasons of this Shefali Shah-starrer series have been superhits, and now the third season is also receiving positive reviews from critics and audiences. Delhi Crime 3 has become the No. 1 trending web series, powered by its brilliant storyline. This web series is currently the No. 1 trending web series on the OTT platform Netflix and is being watched extensively. If you haven't seen it yet, you can stream it online from home.